राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 02 अप्रैल 2025 वर्ष-8,अंक-42 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## डीसा पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट और आग में 21 लोगों की मौत, जांच के लिए एसआईटी का गठन

**-डीसा दुर्घटना पर पीएम मोदी ने दुख व्यक्त किया, पीड़ित परिवार को 2 लाख की सहायता की घोषणा**

अहमदाबाद । मंगलवार को डीसा स्थित पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट के बाद लगी आग में अब तक 21 लोगों की मौत हो चुकी है। भीषण अग्नीकांड में 21 जिंदगी खत्म होने के बाद हरकत में आए सरकार ने पूरे मामले की जांच के लिए पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में 6 सदस्यों वाली स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम (एसआईटी) का गठन कर दिया है। पूरे मामले की जांच के बाद एसआईटी अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी। बता दें कि बनासकांठा जिले के डीसा में ढुवा रोड स्थित दीपक ट्रेडर्स नामक पटाखा बनाने वाली फैक्ट्री में आज सुबह ब्लास्ट के बाद आग लग गई थी। घटना इतनी दर्दनाक थी कि ब्लास्ट के बाद फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूरों के शरीर के अंग कई फूट दूर जा गिरे थे। कई श्रमिकों की तो मौके पर ही मौत हो गई थी। अब तक इस घटना में 21 लोगों के मौत की खबर है। सभी श्रमिक मध्य प्रदेश के मूल निवासी होने की जानकारी मिली है। जो पैसे कमाने दो दिन पहले ही डीसा आए थे। बताया जाता है कि दीपक ट्रेडर्स ने केवल पटाखे स्टोर करने का लाइसंस लिया था। इतना ही नहीं लाइसंस भी एक्सपायर हो गया था और उसे रिन्यू नहीं किया गया था। कंपनी के मालिक खूबचंद्र नाहलाणी ने ज्यादा कमाई की लालच में बगैर लाइसंस पटाखे बनाने का काम शुरू कर दिया। आखिर किसकी अनुकंपा से खूबचंद्र नाहलाणी पटाखे स्टोर करने के बजाए उसे बनाने लगा? फायर सेफ्टी के पर्याप्त साधन नहीं होने के बाद भी उसे सील क्यों नहीं किया गया? फिलहाल घटना के बाद से कंपनी का मालिक खूबचंद्र नाहलाणी फरार है।

## भारतीय सेना का कमांडर्स सम्मेलन 1 से 4 अप्रैल 2025 तक नई दिल्ली में

नई दिल्ली । भारतीय सेना का कमांडर्स सम्मेलन 1 से 4 अप्रैल 2025 तक नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। यह सम्मेलन सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है, जहां सेना के महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लिए जाते हैं। इस दौरान देश की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की जाएगी और भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीति तैयार की जाएगी। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस सत्र की अध्यक्षता करेंगे और मुख्य भाषण देंगे। इसके अलावा, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ भी सेना के वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित करेंगे। सम्मेलन में सुधारों का वर्ष पर भारतीय सेना की योजनाओं पर एक प्रस्तुति दी जाएगी। साथ ही, नीति आयोग के सीईओ भी एक सत्र में भाग लेंगे, जिसमें भारत की प्रगति और आत्मनिर्भर सेना के निर्माण पर चर्चा होगी। भारतीय सेना का लक्ष्य तकनीकी रूप से सक्षम, भविष्य के लिए तैयार, और तेज निर्णय लेने वाली सेना बनाना है। इस सम्मेलन में विशेषज्ञों के साथ गहन विचार-विमर्श किया जाएगा ताकि सेना के निर्णय लेने की प्रक्रिया को और प्रभावी बनाया जा सके। इसके अलावा, संगठन को और मजबूत बनाने और सेना की जमीनी इकाइयों को अधिक सक्षम बनाने पर भी चर्चा की जाएगी। सम्मेलन में सेना के जवानों और उनके परिवारों के कल्याण से जुड़े मुद्दों पर भी विचार किया जाएगा, जिससे उनकी जीवनशैली और कार्य-परिस्थितियों को बेहतर बनाया जा सके।

## पीएम पद की दावेदारी पर बोले सीएम योगी, कहा-राजनीति मेरी फुलटाइम जॉब नहीं

लखनऊ । यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उनके और भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेताओं के बीच कोई मतभेद नहीं है बल्कि वह पार्टी की वजह से मुख्यमंत्री की कुर्सी पर हैं। उन्होंने कहा, ''केंद्रीय नेताओं के साथ मतभेद करके क्या मैं यहां पर बैठा रह सकता हूं?'' वहीं भावी प्रधानमंत्री के तौर पर उनके नाम की चर्चा पर उन्होंने कहा कि राजनीति उनके लिए 'फुल टाइम जॉब' नहीं है। मुख्यमंत्री योगी ने यहां एक मीडिया हाउस से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि जो भारत के प्रति निष्ठावान होगा, आरएसएस उसको पसंद करेगा, जो भारत के लिए निष्ठावान नहीं होगा, आरएसएस उसको रास्ते पर लाने के लिए, सन्मार्ग पर लाने के लिए प्रेरणा ही दे सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका प्राथमिक काम उत्तर प्रदेश के लोगों की सेवा करना है जो उनकी पार्टी ने उन्हें सौंपा है। उन्होंने कहा कि मैं उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री हूं और पार्टी ने मुझे राज्य के लोगों की सेवा करने के लिए यहां रखा है। अन्य राज्यों में भाजपा प्रचारक के रूप में सीएम योगी की लोकप्रियता के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि सभी मुख्यमंत्री पार्टी के चुनाव प्रचार का हिस्सा हैं। यह पूछे जाने पर कि उनकी राजनीति में कब तक बने रहने की योजना है, मुख्यमंत्री ने कहा, ''इसकी भी एक समयसीमा होगी।'' उन्होंने कहा, ''राजनीति अगर स्वार्थ के लिए है तो वह समस्या पैदा करेगी। राजनीति अगर परमार्थ के लिए है तो वह समाधान देगी। हमें तय करना होगा कि हमें समाधान का रास्ता अपनाना है या समस्या का रास्ता अपनाना है और मुझे लगता है कि धर्म भी यही है।''

## मोहाली की पॉक्सो कोर्ट ने बजिंदर सिंह को आजीवन कारावास की सजा सुनाई

मोहाली । पंजाब में मंगलवार को मोहाली की पॉक्सो कोर्ट ने स्वघोषित पादरी बजिंदर सिंह को 2018 के यौन उत्पीड़न मामले में आजीवन कारावास की सजा दी है। कोर्ट के फैसले के बाद पीड़िता और परिवार ने राहत की सांस ली और न्याय मिलने पर खुशी जाहिर की। पीड़िता ने कोर्ट का आभार जताकर कहा, मैं मोहाली कोर्ट के जज, वकीलों, मीडिया और इस लड़ाई में मेरे साथ खड़े सभी लोगों की शुक्रगुजार हूं। मुझे आज इंसाफ मिला है। वहीं, पीड़िता के पति ने कहा, बजिंदर एक आदतन अपराधी और हिस्ट्रीशीटर है। कोर्ट ने सजा सुनाते समय उसके आपराधिक इतिहास को ध्यान में रखा गया। हमें न्याय प्रणाली पर भरोसा था और आज वह पूरा हुआ। कोर्ट ने इस मामले में 5 अन्य लोगों को बरी किया है, जिन्होंने 7 साल तक सजा भुगती। हम इस फैसले से पूरी तरह संतुष्ट हैं।

# वक्फ बिल पर आज आर या पार

## आज लोकसभा में होगा पेश वक्फ बिल, 8 घंटे चर्चा, फिर पारित कराने की तैयारी में सरकार, टीडीपी और जदयू समर्थन करेगी, वक्फ बिल के विरोध में वोट करेगा विपक्ष

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** वक्फ संशोधन बिल बुधवार को दोपहर 12 बजे लोकसभा में आएगा। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में इस पर मुहर लग गई है। उधर, बिल के पक्ष और विपक्ष में राजनीतिक पार्टियां दो खेमों में बंट गई है। इससे लोकसभा में वक्फ बिल पर आज आर या पार का नजारा दिखेगा। वहीं स्पीकर ओम बिरला ने इस पर 8 घंटे चर्चा का समय निर्धारित किया है। एनडीए को बहस में बोलने के लिए 4 घंटे 40 मिनट का समय मिला है। बाकी के वक्त विपक्ष के नेता बोलेंगे। विपक्ष ने कहा कि चर्चा 12 घंटे होनी चाहिए। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि बिल पर चर्चा का समय बढ़ाया जा सकता है। इसके बाद बिल लोकसभा में पास किया जाएगा। हालांकि, विपक्ष ने बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक से वॉकआउट कर दिया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने सरकार पर अपने एजेंडे को थोपने और विपक्षी सदस्यों की बात नहीं सुनने का आरोप लगाया।

लोकसभा में बहस के लिए सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की अगुवाई कर रही भाजपा के साथ कांग्रेस, जेडीयू, टीडीपी समेत पार्टियों ने अपने सांसदों के लिए व्हिप जारी किया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि आठ घंटे चर्चा का समय तय किया गया है। इस समय को बढ़ाया जा सकता है लेकिन सदन की सहमति लेकर के। किरेन रिजिजू ने कहा कि अब अगर कोई वॉकआउट करके बहाना करना चाहता है, चर्चा से भागना चाहता है तो उसको हम रोक नहीं सकते। उन्होंने कहा कि चर्चा तो करें। हर दल को अपना पक्ष रखने, अपनी बात रखने का मौका मिलेगा। वहीं वक्फ बिल को लेकर विपक्षी दलों के नेताओं की बैठक में राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका चतुर्वेदी और संजय सिंह आदि ने चर्चा की और निर्णय लिया कि चर्चा में भाग लेंगे और खिलाफ वोट करेंगे।

### आज ही कराया जाएगा पास

संसदीय कार्य मंत्री ने ये भी कहा कि बुधवार प्रश्नकाल के तुरंत बाद इस बिल को विचार एवं पारित किए जाने के लिए सदन में रखना चाहता हूं और चर्चा के लिए आठ घंटे का समय तय किया गया है। उन्होंने ये भी कहा कि संसद का ये सत्र 4 अप्रैल तक है। लोकसभा के बाद राज्यसभा से भी इस बिल को पारित कराना होगा। रिजिजू ने कहा कि राज्यसभा में भी तो समय देना पड़ेगा न हमें। लोकसभा जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण राज्यसभा भी है। उन्होंने कहा कि अब अगर दो दिन लोकसभा में ही चर्चा होगी तो राज्यसभा के लिए समय बचेगा क्या। किरेन रिजिजू ने कहा कि इतना अच्छा बिल हमलोग लेकर आए हैं, रिकॉर्ड में दर्ज होगा कि किसने समर्थन किया और किसने विरोध। उन्होंने ये भी कहा कि कल ही चर्चा होगी, जवाब होगी और लोकसभा से इसे पारित कराना है। किरेन रिजिजू ने कहा कि हम हाथ जोड़कर विनती करते हैं, बिल पर बोलने के लिए कुछ नहीं है तो बहाना मत बनाइए। खुलकर बोलिए। उन्होंने ये भी कहा कि चर्चा का समय बढ़ाया जा सकता है लेकिन बिल उसी दिन पारित कराना है। किरेन रिजिजू ने कहा कि बहुत से मुस्लिम भी इस बिल के समर्थन में हैं। जेपीसी में इतनी चर्चा हो चुकी है। इस बिल को लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है।

### विपक्ष ने किया बैठक से वॉकआउट

विपक्ष ने बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक से वॉकआउट कर दिया। सरकार की ओर से पहले चार से छह घंटे चर्चा का प्रस्ताव रखा गया था। विपक्षी दलों के नेता वक्फ बिल पर कम से कम 12 घंटे चर्चा की मांग कर रहे थे। सरकार की ओर से दो ही दिन का समय बचा होने की बात कहते हुए दो दिन तक चर्चा जारी रखने में असमर्थता जता दी। इसके बाद विपक्षी सदस्यों ने बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक से वॉकआउट कर दिया। बाद में आठ घंटे चर्चा की बात पर सहमति बनी और सरकार की ओर से ये भी कहा गया कि चर्चा का समय और बढ़ाया भी जा सकता है।

## देश के अंदर लाल आंतक 12 नहीं, अब सिर्फ 6 जिलों तक सिमट गया : शाह

### 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद मुक्त होगा भारत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नक्सल समस्या अब देश के 12 जिलों से घटकर सिर्फ छह जिलों में समिति रह गई है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार नक्सलवाद के प्रति निर्मम दृष्टिकोण और सर्वांगीण विकास के लिए अथक प्रयासों के साथ सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध भारत का निर्माण कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह से उखाड़ फेंकने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

गृहमंत्री शाह ने लिखा, नक्सल मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, आज हमारे राष्ट्र ने वामपंथी उग्रवाद से सर्वाधिक प्रभावित जिलों की संख्या को 12 से घटाकर मात्र 6 तक समित कर दिया है। भारत 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह से उखाड़ फेंकने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

बीते दिनों शाह ने नक्सलवाद को लोकतंत्र का सबसे बड़ा दुश्मन बताया था। उन्होंने कहा था कि मोदी सरकार नक्सलमुक्त भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है और 31 मार्च 2026 तक देश नक्सलमुक्त होकर रहेगा। 31 मार्च 2026 के बाद देश में नक्सलवाद केवल इतिहास में गिना जाएगा, यह हमारा संकल्प है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने 30 मार्च को बीजापुर में 50 नक्सलियों के आत्मसमर्पण करने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने नक्सलियों के सरेंडर करने के फैसले का स्वागत कर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की नीति स्पष्ट है कि जो भी नक्सली हथियार छोड़कर विकास का मार्ग अपनाएंगे, उनका पुनर्वास कर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा।

## रेखा सरकार के कानून मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ जांच के आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार में कानून मंत्री कपिल मिश्रा को बड़ा झटका लगा है। दिल्ली दंगे से जुड़े केस में अदालत ने कपिल के खिलाफ जांच का आदेश दे दिए है। 2020 में हुए सांप्रदायिक दंगे में मिश्रा की भूमिका की जांच की मांग करते हुए दायर याचिका पर राउज एवेन्यू कोर्ट ने यह आदेश

दिया। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में 24 फरवरी, 2020 को दंगे हुए थे, इसमें 53 लोग मारे गए थे और कई घायल हुए थे। अदालत ने कहा कि दिल्ली पुलिस की ओर से उपलब्ध सामग्रियों के आधार पर पता चलता है कि कपिल की मौजूदगी कर्दम पुरी इलाके में थी और एक संज्ञेय अपराध हुआ है जिसकी जांच की आवश्यकता है। कपिल अभी करावल नगर से विधायक हैं और दिल्ली की भाजपा सरकार में उन्हें मंत्री बनाया गया है। मिश्रा कानून और रोजगार सहित कई अहम मंत्रालय संभाल रहे हैं। अडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया ने प्रथम दृष्टया संज्ञेय अपराध पाया और आगे जांच की जरूरत जाहिर की है। उन्होंने कहा, यह साफ है कि वह कथित अपराध के समय इलाके में मौजूद थे। इसकारण आगे जांच की आवश्यकता है। अदालत ने यमुना विहार निवासी मोहम्मद इलियास की याचिका पर सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इलियास ने कपिल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर यह याचिका दायर की थी। दिल्ली पुलिस ने यह कहकर याचिका का विरोध किया था कि कपिल की दंगों में कोई भूमिका नहीं थी।

# डिजिटल भुगतान में भारत को वैश्विक अग्रणी बनाने में आरबीआई की भूमिका अहम : राष्ट्रपति

**नई दिल्ली/मुंबई (एजेंसी)।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को कहा कि 'विकसित भारत 2047' का मिशन एक ऐसे वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र की मांग करता है, जो नवोन्मेषी, अनुकूलनीय और सभी के लिए सुलभ हो। उन्हों ने कहा कि आरबीआई ने भारत को डिजिटल भुगतान में वैश्विक अग्रणी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मुंबई में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की 90वीं वर्षगांठ के समापन समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि केंद्रीय बैंक के रूप में आरबीआई भारत की अविश्वसनीय विकास गाथा के केंद्र में है। आरबीआई की पिछले 90 वर्ष की उल्लेखनीय यात्रा की सराहना करते हुए उन्होंने इस बात जोर दिया कि सभी के वास्ते सुलभ वित्तीय परिवेश तंत्र 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंमने कहा कि रिजर्व बैंक ने भारत को डिजिटल भुगतान में वैश्विक अग्रणी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्हों ने कहा कि मौद्रिक और वित्तीय स्थिरता के संरक्षक के रूप में आरबीआई इस यात्रा में एक निर्णायक भूमिका निभाएगा जिसमें एक सुदृढ़ बैंकिंग प्रणाली सुनिश्चित करना, वित्तीय नवाचार को बढ़ावा देना और हमारे वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में विश्वास की रक्षा करना शामिल है। राष्ट्रपति ने कहा कि आरबीआई न केवल बदलते समय के साथ विकसित हुआ है, बल्कि भारत के वित्तीय परिवर्तन का एक प्रमुख वास्तुकार भी रहा है। मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने और वित्तीय समावेशन को मजबूत करने से लेकर मौद्रिक स्थिरता बनाए रखने और मजबूत आर्थिक विकास को सक्षम करने तक, देश की आर्थिक नियति को आकार देने में इसकी भूमिका मौलिक रही है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रौद्योगिकी के तेजी से विकास के साथ वित्तीय धोखाधड़ी और साइबर खतरों का जोखिम भी बढ़ रहा है। इस बढ़ती चिंता के लिए निरंतर सतर्कता की जरूरत है। इसके लिए आरबीआई सक्रिय कदम उठा रहा है, सुरक्षा उपायों को मजबूत कर रहा है और सुरक्षित बैंकिंग वातावरण सुनिश्चित कर रहा है। राष्ट्रकपति ने कहा कि

आरबीआई ने पिछले कुछ वर्षों में नाबार्ड, आईडीबीआई, सिडबी और राष्ट्रीय आवास बैंक जैसी प्रमुख संस्थाओं की स्थापना करके देश की वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया है।

# पकड़ा गया खालिस्तानी आतंकी पन्नू का झूठ, एक चिट्ठी से सच हुई भारत की बात

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अमेरिका में बैठकर भारत के खिलाफ आग उगलने वाला खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू का झूठ पकड़ा गया। उसने अमेरिकी अदालत को बरगलाने की पूरी कोशिश की। उसने अजीत डोभाल के समन को लेकर झूठ बोला। मगर उसकी दाल नहीं गल पाई और झूठ पकड़ी गई।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू के वकील ने कोर्ट को एक चिट्ठी लिखी थी जिसके बाद अदालत ने ये प्रतिक्रिया दी है। इस चिट्ठी में खुलासा हुआ है कि जब आतंकी पन्नू के सर्वर (समन लेकर जाने वाला) ने ब्लेयर हाउस (जहां भारतीय प्रतिनिधिमंडल रुका था) के बाहर नोटिस देने की कोशिश की तो राष्ट्रपति के गेस्ट हाउस की सुरक्षा में तैनात अमेरिकी सीक्रेट सर्विस एजेंटों ने उसे गिरफ्तार करने की धमकी दी। इसके बाद आतंकी पन्नू के सर्वर ने उस समन को पास के एक स्टारबक्स स्टोर पर ही छोड़ दिया, जो कोर्ट के लिए पर्याप्त साबित

नहीं हुआ।

अमेरिकी अदालत ने कहा है कि पीएम नरेंद्र मोदी के साथ 12-13 फरवरी को अमेरिका दौरे पर आए एनएसए अजीत डोभाल को समन की तामील नहीं हो पाई थी। अदालत ने खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के उस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें उसने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार को समन यानी नोटिस भेजने का दावा किया था।खबरों के मुताबिक, उस खत की समीक्षा करने के बाद न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के एक जज ने कहा, 'शिकायत अथवा समन होटल प्रबंधन या कर्मचारियों के किसी सदस्य या प्रतिवादी (अजीत डोभाल) के लिए सुरक्षा प्रदान करने वाले किसी अधिकारी या एजेंट को नहीं दी गई थी, जैसा कि अदालत के आदेश में आवश्यक था।' सूत्रों का कहना है कि आतंकी पन्नू ने अजीत डोभाल की दो दिवसीय अमेरिकी यात्रा के दौरान वाशिंगटन डीसी में समन देने के लिए 2 सर्वर और एक जांचकर्ता को काम पर रखा था। चिट्ठी से यह खुलासा हुआ कि एंबिको वालेस नाम का पहला सर्वर 12 फरवरी को शाम 7.22 बजे ब्लेयर हाउस पहुंचा और पाया कि यह एक ही चेकपॉइंट से घिरा हुआ है, जिस पर सीक्रेट सर्विस एजेंटों का पहरा है। सर्वर वालेस ने एक एजेंट को कानूनी दस्तावेज दिखाया, लेकिन उसने कुछ नहीं सुना और सर्वर को तुरंत चेकपॉइंट छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया।

# भारत और चिली ने व्यापक व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने का फैसला किया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत और चिली ने पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर बातचीत शुरू करने का मंगलवार को फैसला किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विविध क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यापक वार्ता के लिए चिली के राष्ट्रपति गैब्रियल बोरिक फॉन्ट की मेजबानी की। बोरिक व्यापार और रक्षा सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा के लिए भारत की पांच दिवसीय राजकीय यात्रा पर हैं। वार्ता के बाद एक वक्तव्य में मोदी ने कहा, ''आज, हमने अपनी-अपनी टीम को पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर चर्चा शुरू करने का निर्देश दिया है।'' उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में

साझेदारी की संभावनाएं तलाशी जाएंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि लचीली आपूर्ति और मूल्य श्रृंखलाएं स्थापित करने के लिए भी काम किया जाएगा। चिली को लैटिन अमेरिका में भारत का एक महत्वपूर्ण साझेदार बताते हुए मोदी ने कहा कि भारत इस देश को अंटार्कटिका के प्रवेश द्वार के रूप में देखता है। उन्होंने कहा कि भारत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, नवीकरणीय ऊर्जा, रेलवे, अंतरिक्ष और अन्य क्षेत्रों में चिली के साथ अपने सकारात्मक अनुभव साझा करने के लिए तैयार है।

# बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट की सरकारों को फटकार... घर गिराने की प्रक्रिया पूरी तरह असंवैधानिक

**-प्रयागराज विकास प्राधिकरण सभी को हर्जाना दें**

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** उत्तर प्रदेश सहित देशभर में बुलडोजर एक्शन को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त रुख दिखाया है। प्रयागराज में एक वकील, एक प्रोफेसर और तीन महिला याचिकाकर्ताओं के घरों को 2021 में बुलडोजर से ध्वस्त करने के मामले में मंगलवार सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि घर गिराने की प्रक्रिया असंवैधानिक थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि घर ध्वस्त करने की ये मनमानी प्रक्रिया नागरिक अधिकारों का असंवेदनशील तरीके से हनन भी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह हमारी अंतरात्मा को झकझोरता है। सुप्रीम कोर्ट ने प्रयागराज विकास प्राधिकरण को आदेश देकर कहा कि पांचों पीड़ितों को 10-10 लाख रुपये का हर्जाना दिया जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जिस तरह से तोड़फोड़ हुई, उस अमानवीय और गैरकानूनी कार्रवाई की वजह से मुआवजा लगा रहे है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बुलडोजर एक्शन की कार्रवाई पूरी तरह से अवैध और आश्रय के अधिकार का पूरी तरह से उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस तरह से तोड़फोड़ करना प्रयागराज विकास प्राधिकरण की असंवेदनशीलता दिखाता है। सुनवाई के दौरान जस्टिस उज्जल भुइयां ने अंबेडकर नगर में 24 मार्च को हुई घटना का जिक्र कर कहा कि अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान एक ओर झोपड़ियों पर बुलडोजर चल रहा था। दूसरी तरफ 8 साल की बच्ची अपनी किताबें लेकर भाग रही थी। इस तस्वीर ने सभी को हैरान कर दिया, ये दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है, जहां अवैध रूप से तोड़फोड़ की जा रही है और इसमें शामिल लोगों के पास निर्माण कार्य करने तक की क्षमता नहीं है।

याचिकाकर्ताओं ने कहा कि उन्हें एक्शन से पहले कोई नोटिस नहीं मिला। इतना ही नहीं नोटिस भेजने के 24 घंटे के भीतर ही बुलडोजर एक्शन हो गया। याचिकाकर्ताओं के मुताबिक साल 2021 में पहले एक मार्च को उन्हें नोटिस जारी हुआ था, उन्हें 6 मार्च को नोटिस मिला। फिर अगले ही दिन 7 मार्च को मकानों पर बुलडोजर एक्शन हुआ। अधिवक्ता जुल्फिकार हैदर, प्रोफेसर अली अहमद और अन्य लोगों की याचिका पर कोर्ट ने सुनवाई की जिनके मकान ध्वस्त किए गए थे। याचिकाकर्ताओं ने दलील दी कि प्रशासन और शासन को ये लगा कि ये संपत्ति गैंगस्टर और राजनीतिक पार्टी के नेता अतीक अहमद की है। इन सभी लोगों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में फरियाद की थी। लेकिन हाईकोर्ट ने घर गिरने की कार्रवाई को चुनौती देने वाली उनकी याचिका खारिज कर दी थी। हाईकोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# कृषि क्षेत्र में करवट बदलता भारत

प्रहलाद सबनानी

**भारतीय अर्थव्यवस्था में किसी भी दृष्टि से कृषि क्षेत्र के योगदान को कमतर नहीं आंका जा सकता है क्योंकि उद्योग एवं सेवा क्षेत्र का विकास भी कृषि क्षेत्र के विकास पर ही निर्भर करता है। अधिकतम उपभोक्ता तो आज भी ग्रामीण इलाकों में ही निवास कर रहे हैं एवं उद्योग क्षेत्र में निर्मित उत्पादों की मांग भी ग्रामीण इलाकों से ही निकल रही है। अतः देश में कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देना ही होगा।**

भारत में लगभग 60 प्रतिशत आबादी आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है और अपनी आजीविका के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। जबकि, कृषि क्षेत्र का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान केवल 18 प्रतिशत के आस पास बना हुआ है। इस प्रकार, भारत में यदि गरीबी को जड़ मूल से नष्ट करना है तो कृषि के क्षेत्र में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों को लागू करना ही होगा। भारत ने हालांकि आर्थिक क्षेत्र में पर्याप्त सफलताएं अर्जित की हैं और भारत आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तथा शीघ्र ही अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। साथ ही, भारत आज विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था भी बन गया है। परंतु, इसके आगे की राह अब कठिन है, क्योंकि केवल सेवा क्षेत्र एवं उद्योग क्षेत्र के बल पर और अधिक तेज गति से आगे नहीं बढ़ा जा सकता है और कृषि क्षेत्र में आर्थिक विकास की दर को बढ़ाना होगा।

भारत में हालांकि कृषि क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए गए हैं और भारत आज कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन गया है। परंतु, अभी भी बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। किसानों के पास पूंजी का अभाव रहता था और वे बहुत ऊंची ब्याज दरों पर महाजनों से ऋण लेते थे और उनके जाल में जीवन भर के लिए फंस जाते थे, परंतु, आज इस समस्या को बहुत बड़ी हद तक हल किया जा सका है और किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसान को आसान नियमों के अंतर्गत बैंकों से पर्याप्त ऋण की सुविधा उपलब्ध है और इस सुविधा का लाभ आज देश के करोड़ों किसान उठा रहे हैं। दूसरे, इसी संदर्भ में किसान सम्मान निधि योजना भी किसानों के लिए बहुत लाभकारी सिद्ध हो रही है और इस योजना का लाभ भी करोड़ों किसानों को मिल रहा है। इससे किसानों की कृषि सम्बंधी बुनियादी समस्याओं को दूर करने के सफलता मिली है।

भारतीय कृषि आज भी मानसून पर निर्भर है। देश के ग्रामीण इलाकों में सिंचाई सुविधाओं का अभाव है। इस समस्या को हल करने के उद्देश्य से भारत सरकार प्रति बूंद अधिक फसल की रणनीति पर काम कर रही है एवं सूक्ष्म सिंचाई पर बल दिया जा रहा है ताकि कृषि के क्षेत्र में पानी के उपयोग को कम किया जा सके तथा जल संरक्षण के साथ सिंचाई की लागत भी कम हो सके।

देश में कृषि जोत हेतु पर्याप्त भूमि का अभाव है और देश में सीमांत एवं छोटे किसानों की संख्या करोड़ों की संख्या में हो गई है। जिससे यह किसान किसी तरह अपना और परिवार का भरण पोषण कर पा रहे हैं इनके लिए कृषि लाभ का माध्यम नहीं रह गया है। इन तरह की समस्याओं के हल हेतु अब केंद्र सरकार विभिन्न उत्पादों के लिए प्रतिवर्ष न्यूनतम समर्थन मूल्य में, मुद्रा स्फीति को ध्यान में रखकर, वृद्धि करती रहती है, इससे किसानों को अत्यधिक लाभ हो रहा है। भंडारण सुविधाओं (गोदामों एवं कोल्ड स्टोरेज का निर्माण) में पर्याप्त वृद्धि दर्ज हुई है एवं साथ ही परिवहन सुविधाओं में सुधार के चलते किसान कृषि उत्पादों को लाभ की दर पर बेचने में सफल हो रहे है अन्यथा इन सुविधाओं में कमी के चलते किसान अपने कृषि उत्पादों को बाजार में बहुत सस्ते दामों पर बेचने पर मजबूर हुआ करता था। खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना भारी मात्रा में की जा रही है इससे कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन को बढ़ावा मिल रहा है एवं कृषि उत्पादों की बबार्दी को रोकने में सफलता मिल रही है। आज भारत में उच्च गुणवत्ता वाले बीजों के उपयोग पर ध्यान दिया जा रहा है ताकि उर्वरकों के उपयोग की आवश्यकता कम हो एवं कृषि उत्पादकता बढ़े। इस संदर्भ में मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना भी किसानों की मदद कर रही है इससे किसान कृषि भूमि पर मिट्टी के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर कृषि उत्पाद कर रहे हैं। राष्ट्रीय कृषि बाजार को स्थापित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि किसान सीधे ही उपभोक्ता को उचित दामों पर अपनी फसल को बेच सके। साथ ही, कृषि फसल बीमा के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि देश में सूखे, अधिक वर्षा, चक्रवात, अतिवृष्टि, अग्नि आदि जैसी प्रकृतिक आपदाओं के चलते प्रभावित हुई फसल के नुक्सान से किसानों को बचाया जा सके। आज करोड़ों की संख्या में किसान फसल बीमा योजना का लाभ उठा रहे हैं।

देश में खेती किसानी का काम पूरे वर्ष भर तो रहता नहीं है अतः किसानों के लिए अतिरिक्त आय के साधन निर्मित करने के उद्देश्य से डेयरी, पशुपालन, मधु मक्खी पालन, पोल्ट्री, मत्स्य पालन आदि कृषि सहायक क्षेत्रों पर भी ध्यान दिया जा रहा है, ताकि किसानों को अतिरिक्त आय की सुविधा मिल सके।

विश्व के विभिन्न देशों ने अपनी आर्थिक प्रगति के प्रारम्भिक चरण में कृषि क्षेत्र का ही सहारा लिया है। औद्योगिक क्रांति तो बहुत बाद में आती है इसके पूर्व कृषि क्षेत्र को विकसित अवस्था में पहुंचाना होता है। भारत में भी आज कृषि क्षेत्र, देश की अर्थव्यवस्था का आधार है, जो न केवल खाद्य सुरक्षा प्रदान करता है बल्कि करोड़ों नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर भी निर्मित करता है। साथ ही, औद्योगिक इकाईयों के लिए कच्चा माल भी उपलब्ध कराता है। वैश्विक स्तर पर कृषि क्षेत्र की महत्ता आगे आने वाले समय में भी इसी प्रकार बनी रहेगी क्योंकि इस क्षेत्र से पूरी दुनिया के नागरिकों के लिए भोजन, उद्योग के लिए कच्चा माल एवं रोजगार के अवसर कृषि क्षेत्र से ही निकलते रहेंगे। हां, कृषि क्षेत्र में आज हो रही प्रौद्योगिकी में प्रगति के चलते किसानों को कम भूमि पर, मशीनों का उपयोग करते हुए, कम पानी की आवश्यकता के साथ भी अधिक उत्पादन करना सम्भव हो रहा है। इससे उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ कृषि उत्पाद की लागत कम हो रही है और किसानों के लिए खेती एक उद्योग के रूप में पनपता हुआ दिखाई दे रहा है और अब यह लाभ का व्यवसाय बनता हुआ दिखाई देने लगा है।

केला, आम, अमरूद, पपीता, नींबू जैसे कई ताजे फलों एवं चना, भिंडी जैसी सब्जियों, मिर्च, अदरक जैसे प्रमुख मसालों, जूट जैसी रेशेदार फसलों, बाजरा एवं अरंडी के बीज जैसे प्रमुख खाद्य पदार्थों एवं दूध के उत्पादन में भारत पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है। दुनिया के प्रमुख खाद्य पदार्थों यथा गेहूं एवं चावल का भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। भारत वर्तमान में कई सूखे मेवे, कृषि आधारित कपड़े, कच्चे माल, जड़ और कांड फसलों, दालों, मछली पालन, अंडे, नारियल, गन्ना एवं कई सब्जियों का पूरे विश्व में सबसे बड़ा उत्पादक है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारत 80 प्रतिशत से अधिक कृषि उपज फसलों (काफी एवं कपास जैसी नकदी फसलों सहित) के साथ दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा उत्पादक देश बन गया था। साथ ही, भारत सबसे तेज विकास दर के साथ पशुधन एवं मुर्गी मांस के क्षेत्र में दुनिया के पांच सबसे बड़े उत्पादक देशों में शामिल हो गया है।

कुल मिलाकर भारतीय अर्थव्यवस्था में किसी भी दृष्टि से कृषि क्षेत्र के योगदान को कमतर नहीं आंका जा सकता है क्योंकि उद्योग एवं सेवा क्षेत्र का विकास भी कृषि क्षेत्र के विकास पर ही निर्भर करता है। अधिकतम उपभोक्ता तो आज भी ग्रामीण इलाकों में ही निवास कर रहे हैं एवं उद्योग क्षेत्र में निर्मित उत्पादों की मांग भी ग्रामीण इलाकों से ही निकल रही है। अतः देश में कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देना ही होगा।

## संपादकीय

### संघ मुख्यालय में मोदी

नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने के 11 साल बाद पहली बार नागपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस ) मुख्यालय पहुंचने के कई निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। मोदी के पहले अटल बिहारी वाजपेयी ने साल 2000 में अपने तीसरे कार्यकाल में संघ मुख्यालय का दौरा किया था। मोदी भी अपने तीसरे कार्यकाल में संघ मुख्यालय गए। स्वाभाविक तौर पर मोदी ने संघ के साथ अपने अटूट संबंधों की जुगाली की। उन्होंने 'माधव नेत्रालय प्रीमियम सेंटर' की आधारशिला रखने के बाद कहा कि, 'संघ भारत की अमर संस्कृति और आधुनिक अक्षयवट है, जिसके आदर्श और सिद्धांत राष्ट्रीय चेतना की रक्षा करना है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यह (संघ) देश की चेतना को ऊर्जा प्रदान करता है।' हालांकि मोदी के नागपुर जाने और संघ प्रमुख सहित अन्य पदाधिकारियों से मिलने को विपक्ष भले मुद्दा बनाने की कोशिश में है, मगर भाजपा के नेताओं का वहां जाना कतई गलत नहीं माना जा सकता है। संघ से पीएम मोदी का दिलों का रिश्ता है, ये दशकों पुराना है. ये सफर 1972 में शुरू हुआ था। 1972 में नरेन्द्र मोदी संघ में शामिल हुए थे। प्रचारक बने, फिर के जरिए भाजपा में एंट्री हुई। गुजरात में संगठन की जिम्मेदारी मिली। 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री बने। संघ का उन्हें मजबूत समर्थन मिला। बहरहाल, मोदी के इस दौरे को भाजपा के नये अध्यक्ष के चुनाव को लेकर विचार-मंथन के तौर पर भी देखा जा रहा है। हालांकि खुद प्रधानमंत्री इस साल सितम्बर में 75 वर्ष के हो जाएंगे। स्वाभाविक है कि उनकी उम्र और भाजपा के उम्र संबंधी नियम-कायदों का भी उनके दौरे में चिंतन-मनन होगा। 2024 में संपन्न हुए लोक सभा चुनाव में मोदी का मैजिक नहीं चल सका। पार्टी आशा के अनुरूप सीटें हासिल करने में नाकामयाब रही। लाजिमी है कि पार्टी के इस लचर प्रदर्शन को लेकर यह विश्लेषण भी सामने आया कि संघ का समर्थन शायद भाजपा को नहीं मिला। वजह चाहे जो भी हो, फिलहाल भाजपा के शीर्ष नेतृत्व और संघ के शीषर्स्थ पदाधिकारियों में इस बात को लेकर गहराई से यह विमर्श हो रहा है कि पार्टी 2029 में आसन्न लोक सभा चुनाव को लेकर किस तरह की रणनीति के साथ जनता के बीच आए। इसी दरम्यिान उत्तर प्रदेश में भी-2027- में विधानसभा के चुनाव होने हैं। साफ है कि इस प्रदेश में पार्टी के प्रदर्शन को ही 2029 में कमल खिलने की गारंटी मानी जाएगी। चुनांचे, मोदी और संघ की मुलाकात के कई सारे मायने हैं।

चिंतन-मनन

### सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख

पिछले दिनों में राष्ट्रीय रंगमंच पर जिस प्रकार का राजनीतिक चरित्र उभरकर आ रहा है, वह एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसा लगता है, राजनीति का अर्थ देश में सुव्यवस्था बनाए रखना नहीं, अपनी सत्ता और कुर्सी बनाए रखना है। राजनीतिज्ञ का अर्थ उस नीति-निपुण व्यक्तित्व से नहीं है, जो हर कीमत पर राष्ट्र की प्रगति, विकास-विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरी महत्व दे; किंतु उस विदूषक-विशारद व्यक्तित्व से है, जो राष्ट्र के विकास और समृद्धि को अवनति के गर्त में फेंककर भी अपनी कुर्सी को सर्वोपरि महत्व देता हो। राजनेता का अर्थ राष्ट्र को गति की दिशा में अग्रसर करने वाला नहीं, अपने दल को सत्ता की ओर अग्रसर करने वाला रह गया है। यही कारण है कि आज राष्ट्र गौण है, दल प्रमुख है। सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख है। चरित्र गौण है, कुर्सी प्रमुख है। एक राजनेता में राष्ट्रीय चरित्र, न्याय-सिद्धांत और नेतृत्व क्षमता के गुणों की आवश्यकता नहीं, किंतु आज कुशल राजनेता वही है, जो अपने दल के लिए राष्ट्र के साथ भी विश्वासघात कर सकता हो, अपनी कुर्सी के लिए अपने दल के साथ भी विश्वासघात करने का जिसमें साहस या दुस्साहस हो।

बहुत बार मन में प्रश्न उभरता है, क्या राजनीति का अपना कोई चरित्र नहीं होता अथवा सत्ता प्राप्ति के लिए राष्ट्र, समाज, दल और व्यक्ति की विश्वासपूर्ण भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना ही राजनीति का चरित्र होता है? जनता की कोमल भावनाओं का शोषण करके सत्तासीन होने के बाद क्या राजनेता का व्यक्तित्व जनता और राष्ट्र से भी बड़ा हो जाता है? यदि ऐसा नहीं है तो आज की राजनीति क्यों अपने प्रिय पुत्रों, संबंधियों और चमचों-चाटुकारों के चक्रव्यूह में फंसकर रह गई है? राष्ट्र को स्थिर नेतृत्व प्रदान करने के नाम पर क्यों सिद्धांतहीन समझौते और स्तरहीन कलाबाजियां दिखाई जा रही हैं? संप्रदायवाद, जातिवाद, भाषावाद और प्रांतवाद को भड़का करके क्यों सत्ता की गोटियां बिठाई जा रही हैं? आज की राजनीति को देखकर मन ग्लानि और वितृष्णा से भर जाता है। आखिर यह सबकुछ कब तक चलता रहेगा?

# जल संकट का समाधानः परंपरागत ज्ञान और आधुनिक तकनीक का संगम

डॉ. सत्यवान सौरभ

जल संकट आज की दुनिया के सबसे गंभीर मुद्दों में से एक है। बढ़ती जनसंख्या, अनियंत्रित औद्योगीकरण, और जलवायु परिवर्तन ने पानी की उपलब्धता पर गंभीर प्रभाव डाला है। इस संकट से निपटने के लिए हमें परंपरागत जल संरक्षण तकनीकों और आधुनिक विज्ञान व तकनीक के समन्वय की आवश्यकता है।जल संरक्षण का अर्थ है पानी के स्रोतों का समझदारी से प्रबंधन करना ताकि भविष्य में पानी की कमी न हो। भारत के पास दुनिया का केवल 4% मीठा पानी है, लेकिन इसकी 18% आबादी जल संकट से जूझ रही है। इस समस्या को हल करने के लिए सरकार और समुदायों की भागीदारी जरूरी है। आंध्र प्रदेश में जल शक्ति अभियान और नीरू-चेट्टू जैसी योजनाओं ने पानी की उपलब्धता बढ़ाने में मदद की है।

स्थानीय समुदाय अपने पारंपरिक ज्ञान और नए तकनीकी उपायों को अपनाकर पानी का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। महाराष्ट्र का हिवरे बाजार मॉडलः इस गाँव में पारंपरिक और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके भूजल स्तर बढ़ाया गया। वर्षा जल संचयन और कुओं की सफाई से यहाँ जल उपलब्धता बढ़ी। राजस्थान की जोहड़ प्रणालीः छोटे-छोटे तालाबों (जोहड़) के निर्माण से भूजल स्तर सुधरा और सूखे की समस्या कम हुई। उत्तराखंड की चाल-खाल प्रणालीः ये छोटे जलाशय वर्षा जल को संग्रहीत कर भूजल पुनर्भरण में मदद करते हैं। पानी के कुशल उपयोग के लिए पारंपरिक तरीकों और नई तकनीकों को अपनाना जरूरी हैं। नागालैंड की जाबो कृषि पद्धतिः यह विधि बारिश के पानी को इकट्ठा कर खेती के लिए उपयोग करती है, जिससे सूखे की मार कम होती है। राजस्थान के टांके वर्षा जल संग्रहण के लिए बनाए गए छोटे जल भंडार हैं, जिनमें अब आधुनिक निस्पंदन तकनीक भी जोड़ी जा रही है। तमिलनाडु में एरियों (तालाब) प्रणालीः यह प्रणाली वर्षा जल को संग्रहित कर सिंचाई और पेयजल आपूर्ति में मदद करती है। जल संरक्षण के लिए जंगल, नदी, तालाब और मिट्टी को संतुलित बनाए रखना जरूरी है। राजस्थान में ओरण (पवित्र वन) क्षेत्रों में जल स्रोतों और जैव विविधता की सुरक्षा होती है, जिससे मरुस्थलीकरण को रोका जाता है। मेघालय की झरना पुनरुद्धार परियोजना के तहत वनों और जलग्रहण क्षेत्रों को पुनर्जीवित किया जा रहा है, जिससे जल स्रोत संरक्षित हो रहे हैं। मध्य प्रदेश में नर्मदा सेवा यात्रा पहल का उद्देश्य नर्मदा नदी के किनारे पेड़ लगाकर जल संरक्षण और पर्यावरण सुधार को बढ़ावा देना है। महाराष्ट्र की पानी पंचायतें और झारखंड की ग्राम सभाएँ जल संसाधनों के न्यायसंगत उपयोग को सुनिश्चित कर रही हैं।

जलवायु परिवर्तन और अनियमित बारिश जल संकट को बढ़ा सकते हैं। ऐसे में परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियाँ मददगार साबित हो सकती हैं। बुंदेलखंड में सूखा राहत कार्यः तालाबों के पुनर्निर्माण और वर्षा जल संचयन से इस क्षेत्र में पानी की समस्या कम हो रही है। लद्दाख में सर्दियों में कृत्रिम हिमनद बनाए जाते हैं, ताकि गर्मियों में इनसे पानी मिलता रहे। हालांकि, बढ़ते तापमान से यह विधि चुनौतियों का सामना कर रही है। गुजरात में वाडी प्रणाली में जल संरक्षण के लिए टपक सिंचाई और बहुफसलीय खेती अपनाई जाती है। जलवायु परिवर्तन, औद्योगिक प्रदूषण, असमान जल वितरण और सरकारी योजनाओं में पारंपरिक प्रणालियों की अनदेखी प्रमुख बाधाएँ हैं।

समुदायों को जल संसाधनों के प्रबंधन में अधिकार मिलना चाहिए ताकि वे जल को संधारणीय रूप से उपयोग कर सकें। महाराष्ट्र की पानी पंचायतेंः इन पंचायतों के माध्यम से किसानों को पानी का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित किया जाता है। झारखंड में ग्राम सभा अधिनियम के तहत गाँव की सभाएँ छोटे जलाशयों का प्रबंधन कर रही हैं। ओडिशा में पाणी पंचायतः यह योजना सामुदायिक भागीदारी से जल प्रबंधन को बढ़ावा देती है। शहरों को अधिक पानी दिया जाता है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में कमी हो जाती है। उदाहरण के लिए, चेन्नई के लिए आसपास के गाँवों से पानी लिया जाता है, जिससे किसानों को परेशानी होती है। हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे गंगा जैसी नदियों का प्रवाह कम हो रहा है और जल संकट बढ़ रहा है। पारंपरिक जल संरक्षण प्रणालियों को सरकारी योजनाओं में ज्यादा महत्व नहीं दिया जाता। कई उद्योग अपशिष्ट जल को नदियों और तालाबों में छोड़ देते हैं, जिससे जल स्रोत दूषित हो जाते हैं। परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियों को कानूनी दर्जा मिलना चाहिए। वैज्ञानिक संस्थानों, सरकारी एजेंसियों और स्थानीय समुदायों के बीच साझेदारी को मजबूत करना चाहिए। क्कळ मद्रास ग्रामीण इलाकों में वर्षा जल संचयन के लिए तकनीकी सहायता दे रहा है। जल प्रबंधन योजनाओं में स्थानीय लोगों की भागीदारी बढ़ानी चाहिए। जल, जंगल और भूमि को एक साथ जोड़कर संरक्षण योजनाएँ बनानी चाहिए। आधुनिक तकनीकों और पारंपरिक ज्ञान को मिलाकर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने की रणनीति बनाई जानी चाहिए। शहरी जल पुनर्चक्रणः शहरों में अपशिष्ट जल को पुनः उपयोग में लाने की प्रणाली विकसित करनी चाहिए।

जल संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसमें समुदायों की भागीदारी भी बहुत जरूरी है। पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक तकनीक को मिलाकर जल संसाधनों का कुशल प्रबंधन किया जा सकता है। जल शक्ति अभियान और मनरेगा जैसी योजनाओं के साथ अकआधारित निगरानी प्रणाली को जोड़कर जल संरक्षण को और प्रभावी बनाया जा सकता है। इससे जल संकट से निपटने में मदद मिलेगी और भविष्य के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित होगी। कानूनी मान्यता, वैज्ञानिक सहयोग, स्थानीय भागीदारी, जल पुनर्चक्रण और जलवायु अनुकूलन उपायों को अपनाकर जल संरक्षण को प्रभावी बनाया जा सकता है।

जल संकट से निपटने के लिए हमें अतीत की सीख और भविष्य की तकनीकों के बीच संतुलन बनाना होगा। परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियाँ हमें स्थिरता और स्थानीय अनुकूलन का ज्ञान देती हैं, जबकि आधुनिक तकनीकें जल संसाधनों के कुशल प्रबंधन में सहायता कर सकती हैं। यदि हम दोनों का संगम करके कार्य करें, तो जल संकट का स्थायी समाधान प्राप्त किया जा सकता है। 'बूँद-बूँद से घड़ा भरता है' - जल संरक्षण की दिशा में एक छोटा प्रयास भी भविष्य में बड़ा बदलाव ला सकता है।

# घिब्ली की दुनिया बनाम हकीकतः कला, रोजगार और मौलिकता का संघर्ष

प्रियंका सौरभ

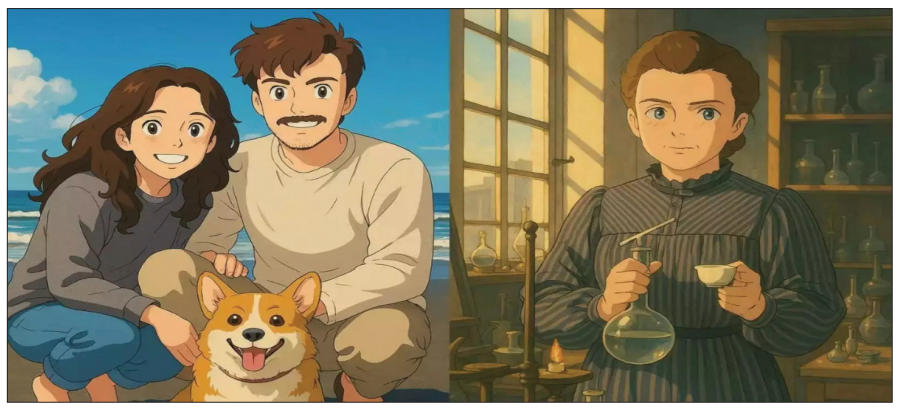

अगर हम हकीकत की दुनिया में देखें, तो रोजगार जरूरी है। बिना नौकरी या व्यवसाय के, सिर्फ घिब्ली की खूबसूरत दुनिया में खोकर पेट नहीं भरा जा सकता। लेकिन मानसिक शांति और प्रेरणा के लिए कला भी आवश्यक है। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर घिब्ली स्टाइल की इमेज और वीडियो एक ट्रेंड बन चुके हैं। लोग पिनटेरेस्ट, इंस्टाग्राम और टिकटोक पर इसे देखकर टाइम पास कर रहे हैं, कुछ इसे खुद ट्राई कर रहे हैं, और एआई टूल्स की मदद से घिब्ली-स्टाइल की इमेज बना रहे हैं।

आजकल सोशल मीडिया पर घिब्ली स्टाइल इमेज और वीडियो बहुत लोकप्रिय हो गए हैं। एआई टूल्स की मदद से अब कोई भी बिना आर्ट स्किल्स के घिब्ली जैसी इमेज बना सकता है। लोग पिनटेरेस्ट और इंस्टाग्राम पर घिब्ली मूवी के सीन से बनी एस्थेटिक गिफ्स और वॉलपेपर शेयर कर रहे हैं। टिकटोक और रील्स में घिब्ली सीन के साथ रिलेटेबल ऑडियो या कोट्स लगाकर मजेदार कंटेंट बनाया जा रहा है। कुछ एआई टूल्स अब आपकी असली फोटो को भी घिब्ली स्टाइल में बदल सकते हैं, जिससे लोग अपनी तस्वीरों को फेयरीटेल लुक दे रहे हैं। यह ट्रेंड सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक बड़ी बहस को जन्म दे रहा है-क्या एआई जनरेटेड आर्ट असली कला की जगह ले सकती है?

एआई-जनरेटेड घिब्ली स्टाइल इमेजरी ने मौलिकता पर सवाल खड़ा कर दिया है। पहले कलाकारों को महीनों मेहनत करके घिब्ली जैसी पेंटिंग बनानी पड़ती थी, अब एआई कुछ सेकंड में वैसा ही कुछ तैयार कर देता है। लोग खुद से नया सोचने के बजाय रेडीमेड आर्ट पर निर्भर हो रहे हैं। असली कलाकार अब एआई-जेनरेटेड कंटेंट से मुकाबला करने को मजबूर हैं। एआई और टेम्प्लेट्स के चलते 'कुछ हटकर' करने की सोच धीरे-धीरे खत्म हो रही है। अगर आर्ट को केवल एक ट्रेंड बना दिया गया, तो मौलिकता धीरे-धीरे खत्म हो जाएगी। इसका समाधान यह है कि लोग घिब्ली स्टाइल से प्रेरणा लेकर अपनी खुद की यूनिक कहानियाँ और आर्ट बनाएं, न कि बस इंटरनेट पर मौजूद चीजों को दोहराएँ। घिब्ली की आत्मा सिर्फ उसकी खूबसूरत विजुअल्स में नहीं, बल्कि उसकी गहरी कहानियों और भावनात्मक जुड़ाव में है।

अगर किसी को घिब्ली की दुनिया इतनी पसंद है कि वह इसमें कुछ नया जोड़ना चाहता है, तो यह एक रोजगार का साधन भी बन सकता है। उदाहरण के लिए डिजिटल आर्टिस्ट घिब्ली-स्टाइल आर्ट बनाकर पैसा कमा सकते हैं। मर्चेंडाइज़ बिजनेस (पोस्टर, स्टिकर, कपड़े) से आय हो सकती है। यूट्यूब और सोशल मीडिया पर घिब्ली स्टाइल कंटेंट क्रिएट करना एक करियर विकल्प हो सकता है। एनिमेशन इंडस्ट्री में घिब्ली से प्रेरित होकर ओरिजिनल शॉर्ट फिल्म्स और सीरीज बनाई जा सकती हैं। गेम डिजाइन और वीएफएक्स स्टूडियो में भी घिब्ली जैसी विजुअल स्टाइल को अपनाकर कैरियर बनाया जा सकता है। हालांकि, केवल घिब्ली की दुनिया में खोए रहना नुकसानदायक हो सकता है। असली ज़िंदगी के काम टलते रहते हैं, और लोग प्रोडक्टिविटी खो सकते हैं। अगर कोई सिर्फ एनीमेशन देखने में उलझा रहता है और अपने करियर पर ध्यान नहीं देता, तो यह एक समस्या बन सकती है।

घिब्ली की दुनिया आदर्श होती है-जहाँ हर चीज खूबसूरत, शांत और जादुई होती है। लेकिन असली दुनिया संघर्ष, तनाव और कठिनाइयों से भरी होती है। अगर कोई हर समय घिब्ली जैसी ज़िंदगी ढूंढे, तो असली दुनिया बेरंग और कठिन लग सकती है। समय की बबार्दीः लोग घंटों तक घिब्ली मूवीज, पिनटेरेस्ट आर्ट, एआई -जनरेटेड इमेज और इंस्टाग्राम रील्स देखते रहते हैं। यह 'टाइम पास' कब 'टाइम वेस्ट' में बदल जाता है, पता भी नहीं चलता। अगर कोई सिर्फ एनीमेशन देखने में उलझा रहता है, लेकिन उसे अपने करियर पर ध्यान देना चाहिए, तो यह नुकसानदेह हो सकता है।

अगर कोई हर समय घिब्ली जैसी ज़िंदगी ढूंढे, तो असली दुनिया बेरंग और कठिन लग सकती है। कुछ लोग इस वजह से प्रेरणा और महत्वाकांक्षा भी खो सकते हैं। घिब्ली स्टाइल इतना लोकप्रिय हो गया है कि कई कलाकार अपनी खुद की स्टाइल डिवेलप करने के बजाय सिर्फ घिब्ली-स्टाइल आर्ट कॉपी कर रहे हैं। घिब्ली स्टाइल एन्जॉय करें, लेकिन उसमें खो न जाएँ। अगर आपको आर्ट पसंद है, तो इसे एक स्किल में बदलें, जिससे आप कमाई कर सकें। अपने करियर और लाइफ गोल्स को इग्नोर न करें-काम जरूरी है, कला सिर्फ सुकून के लिए है। मौलिकता बनाए रखें-घिब्ली से प्रेरित हों, लेकिन अपनी खुद की यूनिक स्टाइल डेवलप करें। टाइम मैनेजमेंट करें-आर्ट और मनोरंजन का आनंद लें, लेकिन काम और ज़िम्मेदारियों को नजरअंदाज न करें।

घिब्ली का जादू खूबसूरत है, लेकिन अगर यह हमारी असली ज़िंदगी को प्रभावित करने लगे, तो नुकसान हो सकता है। बैलेंस बनाना जरूरी है-कला और करियर, कल्पना और हकीकत के बीच! घिब्ली-प्रेरित कला को करियर में बदला जा सकता है-डिजिटल आर्ट, मर्चेंडाइज, यू ट्यूब कंटेंट और एनिमेशन इंडस्ट्री में इसका उपयोग हो सकता है। लेकिन सिर्फ घिब्ली की दुनिया में खो जाना नुकसानदेह हो सकता है-यह समय की बबार्दी, करियर पर असर, असली दुनिया से डिस्कनेक्ट और मौलिकता की कमी ला सकता है।

समाधान यह है कि घिब्ली की प्रेरणा से कुछ नया और मौलिक बनाया जाए, न कि केवल कॉपी किया जाए। कला और रोजगार के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है ताकि हम जीवन के दोनों पहलुओं का पूरा लाभ उठा सकें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## एसबीआई का सर्वर हुआ ठप्प, पैसे ट्रांसफर, मोबाइल बैकिंग और एटीएम सभी में आ रही दिक्कतें

**नई दिल्ली ।** स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की सेवाएं मंगलवार को अचानक ठप हो गई हैं। अचानक आई दिक्कत के चलते यूजर्स को पैसे ट्रांसफर करने, मोबाइल बैंकिंग करने और एटीएम तक की सेवाएं यूज करने में दिक्कत आई। इस पर एसबीआई ने बयान में इस दिक्कत का जिक्र किया है। बैंक ने बताया कि एनुअल क्लोजिंग गतिविधि के चलते इसकी सेवाएं दोपहर 1 बजे से लेकर शाम के 4 बजे तक प्रभावित रहेंगी। एसबीआई ने बताया है कि 1 अप्रैल को इसकी सेवाएं प्रभावित रहने के दौरान यूजर्स को यूपीआई लाइट और एटीएम यूज करने की सलाह दी जाती है। प्लेटफॉर्म्स और वेबसाइट्स के डाउनटाइम को मॉनीटर करने वाली सेवा ने बताया है कि सैकड़ों यूजर्स ने इस बारे में रिपोर्ट किया और कई यूजर्स ने सोशल मीडिया पर लिखा। रिपोर्ट करने वाले ज्यादातर यूजर्स को मोबाइल बैंकिंग के दौरान दिक्कत आई। वहीं, करीब 31 प्रतिशत को फंड्स ट्रांसफर करने में परेशानी हुई। साथ ही एटीएम सेवाएं भी कई यूजर्स के लिए प्रभावित हुई हैं। फिलहाल, बैंक की ओर से जारी बयान के मुताबिक शाम के बाद सेवाएं पहले की तरह ठीक से काम करने लगेंगी।

## बैंकों की वार्षिक खाताबंदी के कारण मुद्रा, बॉण्ड बाजार बंद

**मुंबई ।** बैंकों की वार्षिक खाता बंदी के कारण मंगलवार 1 अप्रेल को मुद्रा और बॉण्ड बाजार बंद हैं। कमजोर एशियाई मुद्राओं तथा स्थानीय कंपनियों की ओर से मजबूत डॉलर मांग के दबाव में भारतीय रुपया पिछले कारोबारी दिन 0.03 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 83.40 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

## रॉयल एनफील्ड की बिक्री मार्च में 34 प्रतिशत बढ़कर 1,01,021 इकाई

**नई दिल्ली ।** मीडिया साइज की मोटरसाइकिल बनाने वाली कंपनी रॉयल एनफील्ड की मार्च में कुल बिक्री 34 प्रतिशत बढ़कर 1,01,021 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 75,551 इकाई रही थी। रॉयल एनफील्ड ने मंगलवार को बयान में कहा कि घरेलू बिक्री पिछले महीने 88,050 इकाई रही, जो मार्च 2024 की 66,044 इकाई से 33 प्रतिशत अधिक है। निर्यात भी 36 प्रतिशत बढ़कर 12,971 इकाई हो गया, जबकि मार्च 2024 में यह 9,507 इकाई रहा था। कंपनी के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में उसने 10 लाख इकाई का आंकड़ा पार करते हुए अपनी अब तक की सबसे अधिक वार्षिक बिक्री दर्ज की। वित्त वर्ष 2024-25 में उसकी कुल बिक्री 10,09,900 इकाई रही जो वित्त वर्ष 2023-24 की 9,12,732 इकाई से 11 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2024-25 में घरेलू बिक्री 9,02,757 इकाई रही, जो वित्त वर्ष 2023-24 की 8,34,795 इकाई से आठ प्रतिशत अधिक है। निर्यात भी सालाना आधार पर 37 प्रतिशत बढ़कर 1,07,143 इकाई हो गया। रॉयल एनफील्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह वर्ष रॉयल एनफील्ड के लिए बेहतरीन रहा है। वार्षिक बिक्री में 10 लाख का आंकड़ा पार करना इस बात का प्रमाण है कि हमने क्या कुछ हासिल कर लिया है।

## ब्रॉडबैंड यूजर्स टेलीकॉम कंपनियों की सेवाओं से नाराज

- ऑपरेटर बदलने की फिराक में

**नई दिल्ली ।** इंटरनेट कनेक्शन में आ रही परेशानियों के कारण ब्रॉडबैंड कनेक्शन लेने वाले 62 फ़ीसदी यूजर्स अपने टेलीकॉम ऑपरेटरों से नाराज हैं। वह ऑपरेटर बदलना चाहते हैं। ब्रॉडबैंड कनेक्शन में फाइबर और डिजिटल सब्सक्राइबर दोनों शामिल है। इंटरनेट कनेक्शन में बार-बार रुकावट आने और कम स्पीड मिलने की शिकायत लगभग सभी उपभोक्ता कर रहे हैं। सोशल मीडिया कम्युनिटी प्लेटफार्म पर किए गए एक सर्वे की रिपोर्ट में,उजागर हुआ है। 66 फीसदी उपभोक्ता अपने सर्विस प्रोवाइडर को बदलना चाहते हैं। सर्विस प्रोवाइडर, उपभोक्ताओं द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद भी शिकायतों का निवारण नहीं करते हैं। 36 फ़ीसदी उपभोक्ताओं को शिकायत थी। हर महीने उन्हें इसी तरीके की शिकायतों से गुजरना पड़ता है। ऑपरेटर उस पर ध्यान नहीं देते हैं।

# इंडसंड बैंक में सरकारी बैंकों का निवेश, सीडी बाजार का सहारा लिया

- नेटवर्थ में 2.35 प्रतिशत का विपरीत असर पड़ा

**नई दिल्ली ।**

बैंकिंग सेक्टर में एक नया मुद्दा उभरा है जब इंडसइंड बैंक ने अपने डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में गड़बडियां पाने के इस्तीफे के बाद सीडी बाजार का सहारा लिया। इस बारीकी से समझाया जा रहा है कि इसके साथ जुड़े सरकारी बैंकों को भी इस असमंजस का सामना करना पड़ा है। मार्च में, इंडसइंड बैंक ने अपनी सीडी से 16,550 करोड़ रुपये जुटाए, वहीं बाजार में जोरादार प्रतिशत दरों के साथ। इस निवेश के संदर्भ में एक बड़े बैंक के ट्रेजरी अधिकारी ने कहा कि इंडसइंड के सीडी पर जिन दरों की पेशकश की गई थी, हर कोई उसमें निवेश करना चाहेगा। यह निवेश सरकारी बैंकों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ, खासकर उनको उधारी की लागत को कम करने में मदद मिली।

हालांकि, बैंक के इंटरनल ऑडिट में दर्ज गड़बड़ियों ने लोगों को चौंकाया, जिससे उसके नेटवर्थ में 2.35 प्रतिशत का विपरीत असर पड़ा है। इससे वह धन जुटाने के लिए उसकी सीडी को सबस्क्राइब करने वाले इन्वेस्टर्स भी परेशान हो रहे हैं। बैंकिंग सेक्टर में इस असमंजस का मामला गहराता जा रहा है, क्योंकि इंडसइंड बैंक के इस चिंताजनक परिस्थिति ने सरकारी बैंकों को चुनौती दी है।

अब देखना होगा कि कैसे इन संघर्षों का हल निकलता है और बैंकिंग सेक्टर का कैसा होता है प्रभाव।

## ओला इलेक्ट्रिक ने मार्च में 23,430 वाहनों का पंजीकरण किया

**नई दिल्ली ।**

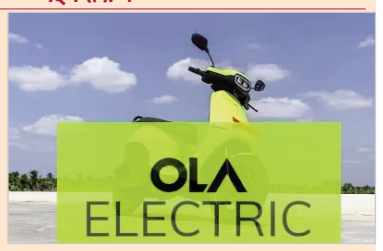


पिछले माह मार्च में में ओला इलेक्ट्रिक ने 23,430 वाहनों का पंजीकरण किया। कंपनी बयान के अनुसार, दैनिक पंजीकरण की संख्या और लंबित आपूर्ति निपटान में लगातार सुधार हो रहा है। इसमें कहा गया कि हमने फरवरी की लंबित आपूर्ति का लगभग निपटान कर दिया है। उम्मीद है कि फरवरी-मार्च में पंजीकृत अन्य वाहनों की आपूर्ति अप्रैल 2025 तक कर दी जाएगी। ओला इलेक्ट्रिक ने कहा कि उसने मार्च 2025 में अपने 'जेन-3' खंड की आपूर्ति भी शुरू कर दी है। मार्च में उत्पादन बढ़ा दिया था। तेज आपूर्ति और बेहतर ग्राहक अनुभव के लिए अप्रैल में इसे और बढ़ाना जारी रखेंगे।

## सोने के दामों में 38 फीसदी तक गिरावट की संभावना

- 55,496 रुपये प्रति 10 ग्राम हो जाएगा भाव!

**नई दिल्ली ।** हाल ही में विशेषज्ञों का कहना है कि आगामी महीनों में सोने की कीमतें 38 फीसदी तक गिर सकती हैं, जो एक बड़े परिवर्तन के संकेत हो सकता है। यह गिरावट के पीछे की वजह वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों में बदलाव, केंद्रीय बैंकों की नीतियों का संभावित परिवर्तन, और अमेरिकी डॉलर की मजबूती हो सकती है। भारत में, 31 मार्च को 24 कैरेट सोने का भाव 89,510 रुपये प्रति 10 ग्राम था। अगर यहां 38त्न की गिरावट आती है, तो यह घटकर 55,496 रुपये प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। एक अमेरिकी वित्तीय सेवा कंपनी के विश्लेषक जॉन मिल्स का कहना है कि सोने की कीमत 1,820 डॉलर प्रति औंस तक गिर सकती है, जो मौजूदा स्तर से लगभग 38 फीसदी कम होगा। इसके अतिरिक्त, सोने की बढ़ती सप्लाई भी एक महत्वपूर्ण कारक हो सकती है। जब सोने की कीमतें अधिक होती हैं, तो खनन कंपनियां अधिक सोना निकालने लगती हैं। 2024 की दूसरी तिमाही में सोने की खनन कंपनियों का औसत मुनाफा 950 डॉलर प्रति औंस था, जो 2012 के बाद सबसे ज्यादा है। इसके साथ ही पुराने सोने का भी बड़े पैमाने पर पुनः उपयोग किया जा रहा है, जिससे बाजार में सोने की आपूर्ति बढ़ रही है। इससे कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है। पिछले कुछ सालों में, केंद्रीय बैंक और निवेशक सोने की खरीदारी कर रहे थे, लेकिन अब उनकी इसमें कमी दिख रही है। 2024 में, केंद्रीय बैंकों ने 1,045 टन सोना खरीदा, लेकिन अधिकांश ने यह संकेत दिया है कि वे अगले साल अपनी गोल्ड होल्डिंग्स घटा सकते हैं। यह सुझाव देता है कि भविष्य में सोने की मांग कम हो सकती है, जिससे कीमतों पर असर पड़ सकता है। 2024 में, सोने के उद्योग में सौदों में 32 फीसदी का इजाफा हुआ है, जिससे यह संकेत मिल रहा है कि गोल्ड प्राइस अपने शिखर पर हो सकता है। क

# शेयर बाजार भारी गिरावट पर बंद

## सेंसेक्स 1390 , निफ़्टी 353 अंक टूटा

**निवेशकों के 4 लाख करोड़ डूबे**

**मुम्बई ।**

भारतीय शेयर बाजार मंगवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी के साथ ही नये वित्त वर्ष की शुरुआत खराब रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1390.41 अंक करीब 1.80फीसदी की बड़ी गिरावट लेकर 76,024.51 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी अंत में 353.65 अंक तकरीबन 1.50 फीसदी टूटकर 23,165.70 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से 24 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए। सबसे ज्यादा गिरावट बजाज फिनसर्व में देखने को मिल रही है। इसके अलावा इन्फोसिस, एचडीएफ़सी बैंक, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, एचसीएल टेक, टीसीएस, सन फार्मा के शेयर प्रमुख रूप से गिरावट में थे।

वहीं इंडसइंड बैंक का 5 फीसदी से ज्यादा की बढ़त लेकर कारोबार कर रहा था। साथ ही जोमाटो, नेस्ले इंडिया, आईटीसी, भारती एयरटेल और पावर ग्रिड के शेयर लाभ में रहे।

बाजार में आई गिरावट से निवेशकों को बड़ा नुकसान हुआ है। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण घटकर 4,09,64,821 करोड़ रुपये पर आ गया जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 41,375,586.20 करोड़ रुपये था। इस तरह इसमें आज 4,10,765 करोड़ रुपये की कमी आई।

इससे पहले ऐसी गिरावट चार साल पहले 2020-21 में आई थी। शेयर बाजार में आई गिरावट इसलिए आयी क्योंकि भारतीय शेयर बाजार वैश्विक बाजारों के साथ-साथ अमेरिका के टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद सतर्कता बरत रहा था।

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि 2 अप्रैल से बराबरी के शुल्क बिना किसी अपवाद के सभी देशों पर लागू होंगे। ट्रंप ने यह घोषणा ऐसे समय में की है जब भारत और अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार करार के लिए शुल्क रियायत पर बातचीत कर रहे हैं।

मंगलवार सुबह एशियाई बाजारों में मजबूती देखने को मिली। वॉल स्ट्रीट में रात भर हुए सुधार का असर एशियाई बाजारों पर भी पड़ा। जापान का निक्केई इंडेक्स 0.6 फीसदी, ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.34 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.92 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला था। सेंसेक्स 326 अंक की गिरावट के साथ 77,088 और निफ्टी 64 अंक की गिरावट के साथ 23,454 पर कारोबार कर रहा था। बाजार में गिरावट की वजह 2 अप्रैल से अमेरिका द्वारा अपने ट्रेडिंग पार्टनर देशों पर लगाए जाने वाले जवाबी टैरिफ को माना जा रहा है।

# भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने उपभोक्ता संरक्षण की मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई

- ग्राहक सेवाओं में सुधार करने की मिशन को बढ़ावा देने का भी आश्वासन दिया

**मुंबई ।**

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मंगलवार को आरबीआई की 90वीं वर्षगांठ के समापन समारोह में वित्तीय स्थिरता और दक्षता के बीच संतुलन कायम करने के लिए विनियामक ढांचे को लचीला बनाने के साथ-साथ उपभोक्ता संरक्षण को मजबूत करने की केंद्रीय बैंक की प्रतिबद्धता का समर्थन किया। गवर्नर ने आरबीआई की भूमिका को बढ़ावा देते हुए कहा कि उसके लक्ष्य हमेशा से से ज्यादा महत्वपूर्ण रूप से विस्तारित हो गए हैं। मल्होत्रा ने भविष्य में भारतीय अर्थव्यवस्था के वित्तीय ढांचे को अगले दशक में महत्वपूर्ण तरीके से आकार देने के लिए प्रतिबद्धता जताई। आरबीआई वित्तीय समावेश को बढ़ाने के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने ग्राहक सेवाओं में सुधार करने की मिशन को बढ़ावा देने का आश्वासन दिया और एक लचीले नियामक ढांचे की आवश्यकता को उजागर किया। गवर्नर ने आरबीआई का सभी संस्थानिक नियामकों, सरकारों और वित्तीय क्षेत्र के साथ सहयोग करने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने वित्तीय प्रणाली में सुधार के लिए हर संभव प्रयास करने का आश्वासन दिया और उभरते आर्थिक परिदृश्य में आरबीआई की लचीलेपन को बढ़ाने का प्रयास किया। गवर्नर ने आरबीआई के दृढ़ संकल्प की ज़ोरदारी से व्यक्ति करने की प्रतिज्ञा की और संस्था को हमेशा उत्कृष्टता की दिशा में ले जाने का आश्वासन देते हुए कहा कि एक लचीले, पारदर्शी और सर्वव्यापी भावना में उभरी हुई आरबीआई भारत की आर्थिक स्थिति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

## गिरते बाजार में इस ज्वैलरी कंपनी के शेयर ने की बंपर कमाई

**मुंबई ।** नए वित्तीय साल के पहले दिन शेयर बाजार में काफी गिरावट दिखाई दी है। लेकिन गिरावट के बीच तमिलनाडु की कंपनी थान्गामायिल ज्वैलरी के शेयरों में भारी उछाल आया है। इसका कारण कंपनी के प्रमोटरों ने गिरवी रखे शेयर छुड़ा लिए। इससे शेयर की कीमत 2 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ गई। बीएसई पर कारोबार के दौरान शेयर की कीमत 2,054.35 तक पहुंच गई। यह स्मॉल-कैप स्टॉक एक साल में 59 प्रतिशत बढ़ा है, जबकि दो साल में शेयर ने 315 प्रतिशत का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। बीते पांच साल में इसके शेयर 1,750 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। पिछले दस साल में यह मल्टीबैगर स्टॉक 2,000 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ गया है। यह कंपनी रिटेल जूलरी चेन चलाती है और राज्य के कई शहरों में स्टोर चलाती है। थान्गामायिल ज्वैलरी ने बताया कि उसके प्रमोटरों के बैंक के पास गिरवी रखे सभी शेयरों को छूड़ा लिया है। इसका मतलब है कि अब कंपनी के मालिक बिना किसी रोक-टोक के इन शेयरों का इस्तेमाल कर सकते हैं। कंपनी के अनुसार ये शेयर वर्किंग कैपिटल फाइनेंस यस बैंक के पास गिरवी रखे गए थे। दिसंबर 2024 तिमाही के अंत में प्रमोटरों के पास 1,68,13,189 शेयर थे। यह कंपनी की 61.27 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। कंपनी के शेयरहोल्डिंग पैटर्न के अनुसार बाकी 1,06,25,975 शेयर यानी 38.73 प्रतिशत हिस्सेदारी पब्लिक शेयरहोल्डर्स के पास थी।

# पीएफ ऑटो-क्लेम लिमिट बढ़कर हुई 5 लाख

- क्लेम सेटलमेंट की अवधि भी अब 10 दिन की बजाय 3-4 दिन में हो जाएगी

**नई दिल्ली ।**

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने 7.5 करोड़ सदस्यों के लिए एक बड़ी खुशखबरी दी है, जिसमें पीएफ निकासी की ऑटो सेटलमेंट लिमिट को 5 लाख रुपए तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही क्लेम सेटलमेंट की अवधि भी अब 10 दिन की बजाय 3-4 दिन में हो जाएगी। नए बदलाव के तहत ईपीएफओ के सदस्य अब शादी, शिक्षा और घर खरीदने के लिए भी पीएफ ऑटो-क्लेम की सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। यह सुविधा पहले केवल बीमारी और अस्पताल के खर्च के लिए ही उपलब्ध थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह निर्णय श्रम और रोजगार मंत्रालय की सचिव सुमिता डावरा के अध्यक्षता में केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) की 113वीं बैठक में लिया गया था जो 28 मार्च को श्रीनगर में हुई थी। सीबीटी से मंजूरी मिलने के बाद, यह सुविधा जल्द ही शुरू हो जाएगी और कर्मचारी आसानी से अपना पीएफ निकाल सकेंगे। इसके साथ ही अब 95 फीसदी क्लेम ऑटो-प्रोसेस होंगे और कर्मचारियों को पीएफ का पैसा तुरंत मिलेगा।

ईपीएफओ के अनुसार, इस कदम से कागजी कार्यवाही कम होगी और भविष्य निधि निकालने की प्रक्रिया भी तेज होगी। इस नए बदलाव के साथ, सदस्य यूपीआई और एटीएम के माध्यम से मई या जून के अंत तक तत्काल पीएफ निकाल सकेंगे। श्रम एवं रोजगार सचिव सुमिता डावरा ने बताया कि सदस्य सीधे यूपीआई प्लेटफॉर्म पर अपना पीएफ बैलेंस भी देख सकेंगे और बिना किसी देरी के अपने पसंदीदा बैंक खातों में फंड ट्रांसफर कर सकेंगे। यह नए बदलाव कर्मचारियों के लिए जरूरत के समय अपने पैसे तक पहुंचने में मदद करेगा।

## भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों 100 फीसदी टैरिफ लगाता है, अब रिसिप्रोकल टैरिफ की बारी अमेरिका

- डॉनल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल से लागू कर सकता है एक नई 'रिसिप्रोकल टैरिफ' पॉलिसी

**नई दिल्ली ।**

व्हाइट हाउस ने मंगलवार को कहा कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाता है, और कनाडा अमेरिकी मक्खन और चीज़ पर लगभग 300 फीसदी शुल्क वसूलता है। इससे अमेरिकी उत्पादों का इन बाजारों में आयात करना लगभग असंभव हो जाता है और बीते कई दशकों में इससे कई अमेरिकी व्यवसाय बंद हुए हैं और लोगों की नौकरियां चली गई हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित रिसिप्रोकल टैरिफ नीति के लागू होने में सिर्फ एक दिन बाकी है। उन्होंने कहा कि अन्य देशों द्वारा लगाए गए ऊंचे शुल्क अमेरिकी उत्पादों को उन देशों में निर्यात करना लगभग असंभव बना देते हैं। ट्रंप ने भारत और अन्य देशों द्वारा अमेरिकी सामान पर लगाए जाने वाले ऊंचे टैरिफ की बार-बार आलोचना की है। कैरोलिन लेविट ने कहा कि दुर्भाग्य से इन देशों ने बहुत लंबे समय से हमारे देश का शोषण किया है और मुझे लगता है कि उन्होंने अमेरिकी कामगारों के प्रति अपनी उपेक्षा को बहुत साफ कर दिया है। उन्होंने कहा कि अगर आप अनुचित व्यापार प्रथाओं को देखें यूरोपियन यूनियन अमेरिकी डेयरी उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाता है, जापान अमेरिकी चावल पर 700 फीसदी तक का शुल्क लेता है। डॉनल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल से एक नई 'रिसिप्रोकल टैरिफ' पॉलिसी लागू करने की योजना बनाई है, जिसे वह अमेरिका के लिए मुक्ति दिवस बता रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि 2 अप्रैल से रिसिप्रोकल टैरिफ पॉलिसी बिना किसी अपवाद के सभी देशों पर लागू होंगे।

## एआई विस्तार के लिए ओपनएआई 40 अरब डॉलर जुटाएगा

- फंडिंग राउंड का नेतृत्व जापानी निवेश फर्म सॉफ्टबैंक ग्रुप करेगा

**नई दिल्ली ।**

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) सेक्टर की प्रमुख कंपनी ओपनएआई ने घोषणा की कि वह 300 अरब डॉलर के मूल्यांकन पर 40 अरब डॉलर की फंडिंग जुटाने पर विचार कर रही है। इस फंडिंग राउंड का नेतृत्व जापानी निवेश फर्म सॉफ्टबैंक ग्रुप करेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस फंडिंग का उद्देश्य एआई रिसर्च को आगे बढ़ाना, कंप्यूटेशनल इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना और कंपनी के टूल्स को और और बेहतर बनाना है। रिपोर्ट के मुताबिक इस राउंड में कुल निवेश का 75 प्रतिशत हिस्सा सॉफ्टबैंक की ओर से आएगा।

बाकी की राशि माइक्रोसाफ्ट, कोटक मैनेजमेंट, ऐ लिटमेटर कैं पिटल और थ्राइव कैं पिटल जैसे निवेशकों द्वारा दी जाएगी। ओपनएआई ने कहा है कि वह हर हफ्ते चेटजेपीटी का इस्तेमाल करने वाले 50 करोड़ यूजर्स के लिए और भी पावरपूल टूल्स उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रहा है। हाल के वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेक्टर को लेकर निवेशकों का उत्साह तेजी से बढ़ा है, जिसकी वजह चैटबॉट्स का व्यापक उपयोग और एडवांस एआई एजेंट्स का उभरना है। कंपनियों ने अपने कामकाज को अधिक सुचारु बनाने और ग्राहकों के अनुभव को बेहतर करने के लिए एआई सॉल्यूशंस को अपनाना शुरू कर दिया है। वहीं वेंचर कैपिटल फर्म उभरते हुए होनहार एआई स्टार्टअप्स में निवेश के लिए एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। सैन फ्रांसिस्को स्थित ओपनएआई ने पिछले अक्टूबर में 6.6 अरब डॉलर की फंडिंग राउंड पूरी की थी, जिसमें कंपनी का मूल्यांकन 157 अरब डॉलर हुआ था। नई फंडिंग राउंड कंपनी के वैल्यूएशन को लगभग दोगुना कर देगी।

# सीएनजी के बढ़ सकते हैं भाव, सरकार ने बढ़ाई नेचुरल गैस की कीमतें

- एपीएम गैस की कीमत 6.50 डॉलर प्रति यूनिट बढ़ाकर 6.75 डॉलर प्रति यूनिट

**नई दिल्ली ।**

केंद्र सरकार ने प्रशासित मूल्य प्रणाली (एपीएम) के दायरे में आने वाले पुराने क्षेत्रों से उत्पादित प्राकृतिक गैस की कीमत में 4 प्रतिशत बढ़ा दी है। इन क्षेत्रों से उत्पादित गैस सीएनजी, बिजली और उर्वरक के उत्पादन के लिए प्रमुख कच्चा माल है, जिससे एपीएम गैस के दाम बढ़ने से सीएनजी भी महंगी हो सकती है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) की एक अधिसूचना में कहा गया है कि एपीएम गैस की कीमत एक अप्रैल से 6.50 डॉलर प्रति यूनिट (एमएमबीटीयू) से बढ़ाकर 6.75 डॉलर प्रति यूनिट कर दी गई है। एपीएम गैस सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) और ऑयल इंडिया लि. (ओआईएल) द्वारा उन क्षेत्रों से उत्पादित की जाती है, जो उन्हें नामांकन के आधार पर दिये गये थे। इन क्षेत्रों से उत्पादित गैस का उपयोग कच्चे माल के रूप में पाइप के जरिये रसोई गैस (पीएनजी) के साथ-साथ वाहन चलाने के लिए सीएनजी और उर्वरक तथा बिजली उत्पादन के लिए किया जाता है। यह दो साल में एपीएम गैस की कीमत में पहली वृद्धि है।

अप्रैल, 2023 से पहले, प्रशासित मूल्य तंत्र (एपीएम) व्यवस्था के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों से उत्पादित गैस की कीमत एक फार्मूले के आधार पर छमाही आधार पर निर्धारित की जाती थी। यह निर्धारण चार गैस व्यापार केंद्रों पर औसत अंतरराष्ट्रीय कीमतों के आधार पर फॉमूले के तहत होता था। एपीएम गैस की हिस्सेदारी कुल घरेलू गैस उत्पादन में 70 प्रतिशत है. एपीएम गैस शहर के गैस वितरकों को सीएनजी और घरों में पाइप के जरिये रसोई गैस की आपूर्ति के लिए प्रदान की जाती है। यह उनकी बिक्री मात्रा का 60 प्रतिशत हिस्सा है.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# आरसीबी का मुकाबला गुजरात टाइटंस से होगा

**बेंगलुरू (एजेंसी)।** आईपीएल में बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) का मुकाबला यहां अपने घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस से होगा। इस मैच आरसीबी जीत की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी। इसका कारण है कि उसे घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। वहीं इसके अलावा इस सत्र में उसने अब तक अपने सभी मैच जीते हैं जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। नये कप्तान रजत पाटीदार की कप्तानी में उसके बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उसके अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी अच्छे फार्म में हैं। आरसीबी ने कोलकाता के ईडन गार्डंस पर केकेआर और चेन्नई सुपर किंग्स को चेपॉक पर हराकर शानदार शुरूआत की थी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो चिन्नास्वामी स्टेडियम पर आईपीएल के अब तक कुल 95 मैच खेले गए हैं, जिसमें से 41 मैच पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती है। वहीं बाद में बैटिंग करने वाली टीम 50 मैच में जीत हासिल की है हालांकि 4 मैचों का परिणाम नहीं निकला। इस पिच पर सबसे बड़ा रन 287/3 सनराइजर्स हैदराबाद ने बनाया गया है, जबकि सबसे छोटा स्कोर 82 रन आरसीबी की टीम ने बनाई है। आरसीबी और गुजरात टाइटंस टीम के बीच इस मैदान पर अब तक दो बार भिड़ंत हुई। इस मुकाबले में दोनों टीमों को एक-एक मैच में जीत हासिल हुई।

यहां के सटेडियम में छोटी बाउंड्री और तेज आउटफील्ड काफी रन बनते हैं पर आरसीबी का मानना है कि उसके तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार यहां बल्लेबाजों पर अंकुश लगा सकते हैं। हेजलवुड और भुवनेश्वर ने अब तक के मैचों में अच्छी गेंदबाजी की है।

वहीं दूसरी ओर गुजरात टाइटंस की बल्लेबाजी कप्तान शुभमन गिल और बी साइ सुदर्शन पर टिकी रही। आरसीबी का प्रयास करेगा कि गुजरात के शुरुआत में ही विकेट गिरावट दबाव बनाया जाये। इस मामले में उसके पास स्विंग कराने में माहिर भुवनेश्वर और सटीक

हेजलवुड जैसे गेंदबाज हैं। इसके अलावा युवा तेज गेंदबाज यश दयाल भी इस पिच पर बल्लेबाजों को परेशान कर सकते हैं।

टीम की स्पिन गेंदबाजी हालांकि कमजोर नजर आ रही है। उसके पास ऋुणाल पंड्या और सुयांश शर्मा है जबकि गुजरात के पास स्टार स्पिनर राशिद खान और आर साइ किशोर हैं। ऐसे में आरसीबी के बल्लेबाजों के लिए रन बनाना आसान नहीं रहेगा। आरसीब की बल्लेबाजी विराट के आलावा फिल साल्ट, कप्तान रजत पाटीदार और देवदत्त पड्डिकल पर रहेगी। गुजरात के पास कैगिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज जैसे तेज गेंदबाज हैं जिनका सामना आरसीबी के लिये आसान नहीं रहेगा।

## दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

**आरसीबी टीम** = रजत पाटीदार (कप्तान), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), विराट कोहली, फिल साल्ट, लियाम लिविंगस्टोन, देवदत्त पडिक्कल,टिम डेविड, ऋुणाल पंड्या, जोश हेजलवुड, भुवनेश्वर कुमार, यश दयाल.

**गुजरात टाइटंस टीम** = शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, शेरफेन रदरफोर्ड, राहुल तेवतिया, राशिद खान, शाहरुख खान, मोहम्मद सिराज, रविश्रीनिवासन साई किशोर, कगिसो रबाडा, प्रिंसिध कृष्णा।

## रोहित के हाथों से चीजें निकल रहीं: मांजरेकर

**-लय हासिल करने अपनी ओर से कड़े प्रयास करने होंगे**

**अहमदाबाद (एजेंसी)।** पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने कहा है कि भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा लगातार रन नहीं बना पाना चिन्ताजनक हैं। मांजरेकर ने कहा कि रोहित आईपीएल में भी अब तक रन नहीं बना पाये हैं। इससे साफ है कि अब हालात उनके नियंत्रण से बाहर होते जा रहे हैं। ऐसे में अब उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए पूरी ताकत लगाकर प्रयास करना होगा। हर सुबह अपना सब कुछ लगाना होगा तभी वह लय हासिल कर सकते हैं। वह आईपीएल के शुरुआती दो मैच में सहज नहीं दिखे। मांजरेकर ने कहा, 'रोहित शर्मा एक ऐसे दौर से गुजर रहे हैं जिससे साफ है कि वह पहले वाले रोहित नहीं रहे। अब वह अपने करियर के उस जगह पर हैं जहां उन्हें हर सुबह अपना सब कुछ लगाना होगा। कड़ी ट्रेनिंग करनी होगी और फिटनेस के सर्वश्रेष्ठ स्तर पर पहुंचना होगा तभी वह कुछ कर पायें। वह अब भी अपनी नैसर्गिक प्रतिभा पर भरोसा कर रहे हैं जबकि अब वह नहीं रही।

वहीं पिछले दो मैच में रोहित की टीम मुम्बई के प्रदर्शन का आंकलन करते हुए मांजरेकर ने कहा, ' इस टीम से खेल रहे दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी रेयान रिकेल्टन को भारतीय पिचों पर ढलने में समय लगेगा। साथ ही कहा कि एबी डिविलियर्स और हेनरिक क्लासेन को छोड़कर बहुत कम दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों ने भारतीय पिचों पर सफलता हासिल की है इसलिए हमें उन्हें समय देना होगा। उन्होंने कहा, 'इसके अलावा तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव, रोबिन मिंज और कुछ अन्य खिलाड़ियों के साथ मिलकर बल्लेबाजी क्रम बनाते हैं। हालांकि मुझे लगता है कि यह अब भी पूरी तरह से विश्वसनीय नहीं है और उनमें से बहुत से खिलाड़ी ऐसी पिचों पर निर्भर करते हैं जहां गेंद बल्ले पर अच्छी तरह से आती है। ऐसे में इन खिलाड़ियों को परेशानी आ सकती है।

## बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध सूची में टॉप पर बने रहेंगे रोहित-कोहली, ईशान के लिए बुरी खरब : रिपोर्ट

**स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)।** बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध में एक बार फिर भारतीय बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली अपने ए+ ग्रेड अनुबंध को बरकरार रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। टी20 प्रारूप से संन्यास

लेने के बाद भी रोहित और कोहली ए श्रेणी में बने रहेंगे। हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के लिए सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले श्रेयस अय्यर केंद्रीय अनुबंध सूची में वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सूत्रों के मुताबिक इस बात की जानकारी सामने आई है।

सूत्र के हवाले से दी गई एक रिपोर्ट में कहा गया, 'विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को अभी भी केंद्रीय अनुबंध में अपनी वापसी के लिए इंतजार करना होगा। टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के नाबाद रनों में अहम भूमिका निभाने वाले ऑलराउंडर अक्षर पटेल को भी पुरस्कृत किया जा सकता है और उनके ग्रेड में सुधार हो सकता है।

पिछले 12 महीनों में भारत के लिए अलग-अलग प्रारूपों में शानदार प्रदर्शन करने वाले वरुण चक्रवर्ती, नीतीश कुमार रेड्डी और अभिषेक शर्मा के पास भी अपना पहला केंद्रीय अनुबंध हासिल करने का शानदार मौका है। भारत की अगली टेस्ट सीरीज इंग्लैंड में पांच मैचों की सीरीज होगी जिसकी शुरुआत 20 जून को हेडिंग्ले, लीड्स में होगी। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार दो सीरीज हारने के बाद भारत लंबे प्रारूप में अपना फॉर्म फिर से हासिल करने के लिए बेताब होगा। आगामी बीसीसीआई बैठक भविष्य के लिए टीम के दृष्टिकोण को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

## आईपीएल: ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की दौड़ में छाये हैं विदेशी खिलाड़ी

**मुम्बई (एजेंसी)।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भारतीय क्रिकेटर अब तक कुछ खास नहीं कर पाये हैं। सबसे अधिक विकेट और रन बनाने वालों में अधिकतर विदेशी खिलाड़ी हैं। भारतीय खिलाड़ियों की बात करें सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलने वाले अनिकेत वर्मा ने 117 रन जबकि गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन ने 137 रन बनाये हैं। इस प्रकार देखा जाये तो सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप और सबसे अधिक विकेटों के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में विदेशी खिलाड़ी छाये हुए हैं।

सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष पर अधिकतर विदेशी हैं। इसमें लखनऊ सुपरजायंट्स से खेल रहे वेस्टइंडीज के निकलस पूरन 145 रन बनाकर सबसे आगे हैं। वहीं ऑरेंज कैप की रेस में दूसरे नंबर पर टाइटंस की ओर से खेलने वाले भारत के सुदर्शन हैं। सुदर्शन के 137 रन हैं। तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया की ओर से खेल रहे सनराइजर्स हैदराबाद के ट्रैविस हेड 137 और चौथे नंबर पर लखनऊ सुपरजायंट्स की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मिचेल मार्श 124 रन हैं। पांचवें नंबर पर सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलने वाले भारत के अनिकेत 117 रन हैं। ऑरेंज कैप की रेस में शीर्ष-5 में एक भी ऐसा बल्लेबाज नहीं है जिसने भारतीय क्रिकेट टीम के लिए खेला हो। भारतीय टीम के बल्लेबाजों की बात करें तो सूर्यकुमार यादव ने 104, संजू सैमसन ने 99, श्रेयस अय्यर 97, विराट कोहली ने अबतक 90 रन बनाए हैं।

वहीं सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में भी शीर्ष दो खिलाड़ियों में चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से खेल रहे अफगानिस्तान के नूर अहमद और दिल्ली कैपिटल्स से खेल रहे ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क हैं। अब तक नूर अहमद ने 9 और स्टार्क ने 8 विकेट लिए हैं। इसके बाद अगले तीन भारत के खलील अहमद 6, शार्दुल ठाकुर 6 और कुलदीप यादव हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के नाम 5 विकेट जबकि हैं और वह छठे और राजस्थान रॉयल्स के श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा 5 विकेट लेकर सातवें नंबर पर हैं।

## ग्लास्गो में स्वर्ण जीतना है प्रवीण का लक्ष्य

विजयनगर (ईएमएस)। एथलीट प्रवीण चित्रावेल का लक्ष्य अगले साल स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में होने वाले 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। प्रवीण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 की त्रिकूद स्पर्धा में कांस्य से सिर्फ तीन सेंटीमीटर पीछे रहे थे। वह 16.89 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ इन खेलों में चौथे स्थान पर रहा था जबकि बरमूडा के जाह-एनहाई पेरिनचीफ ने 16.92 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रवीण का लक्ष्य इस साल 17.37 मीटर के अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करने का है जिससे वह ग्लास्गो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल कर सकें। प्रवीण ने कहा, 'मैं अब भी और अधिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रयास कर रहा हूं, जैसे ओलंपिक, विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल आदि। मैं एशियाई खेलों का पदक विजेता हूं, मैंने राष्ट्रमंडल खेलों में दो सेंटीमीटर (तीन सेंटीमीटर) से पदक खो दिया था। मैंने एशियाई इंडोर चैंपियनशिप का पदक, और युवा ओलंपिक का पदक जीता है। इस एथलीट ने कहा, 'मुझे भरोसा है कि मैं एशियाई खेल आइची-नागोया 2026 में पदक जीतूंगा पर मैं राष्ट्रमंडल खेलों 2026 में स्वर्ण पदक जीतना चाहता हूं, निश्चित रूप से राष्ट्रमंडल खेलों की वजह से मैं अब भी ठीक से सो नहीं सकता। राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में 23 जुलाई से दो अगस्त 2026 तक किया जाएगा जबकि आइची-नागोया 2026 एशियाई खेल जापान में 17 सितंबर से चार अक्टूबर क होंगे। के प्रवीण ने कहा कि इस वह 2025 में अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करना चाहते हैं।

## मैट कुहनेमन के गेंदबाजी एक्शन को क्लीन चिट, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से मिला अनुबंध

**चेन्नई (एजेंसी)।** मेलबर्न = श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में 16 विकेट लेने के बाद संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन की शिकायत झेलने वाले मैट कुहनेमन के गेंदबाजी एक्शन को हरी झंडी मिलने के बाद अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 2025-26 के अनुबंधित खिलाड़ियों में शामिल किया है। कुहनेमन को श्रीलंका में फरवरी में श्रृंखला में प्लेयर ऑफ द सीरिज चुना गया था। उन्होंने पांच टेस्ट में 25 विकेट लिए हैं जिसमें दो बार पारी के पांच विकेट शामिल है।

उन्हें श्रीलंका दौरे के बाद गेंदबाजी एक्शन की जांच से गुजरना पड़ा और आईसीसी की जांच में उन्हें क्लीन चिट मिल गई है। ऑस्ट्रेलियाई चयन समिति के प्रमुख जॉर्ज बेली ने कहा कि कुहनेमन ने श्रीलंका में शानदार प्रदर्शन किया और आगे भी वह इसे बरकरार रख सकते हैं। भारत के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में पदार्पण करने वाले सैम कोंस्टास को भी अनुबंध दिया गया है। कोंस्टास ने मेलबर्न टेस्ट में 60 रन बनाकर आस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

### ऑस्ट्रेलिया के अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची

पैट कमिंस, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मैथ्यू कुहनेमन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, लांस मौरिस, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर, एडम जम्पा।

## मिचेल के सामने नहीं टिक पाते हैं हेड

विशाखापट्टनम । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के प्रमुख बल्लेबाज ट्रेविस हेड आजकल सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से आईपीएल में खेल रहे है। हैड को उनकी आक्रामक बल्लेबाज के लिए जाना जाता है क्योंकि वह बड़ी बेरहमी से विरोधी गेंदबाजों की पिटाई करते हैं पर देखने में आया है कि अपने ही हमवतन मिचेल स्टार्क के सामने उनकी एक नहीं चलती। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में भी वह मिचेल का ही शिकार बने थे। ये छठी बार है जब वह स्टार्क के शिकार बने हैं। अब तक इन दोनो के बीच आठ बार मुकाबला हुआ है। इस बार हेड ने अच्छी शुरुआत की थी पर स्टार्क की बाउंसर पर शॉट खेलने के प्रयास में वह कैच हो गये। जब भी ये दोनों आमने-सामने आते हैं, तो स्टार्क हावी रहे हैं। पिछले 8 मुकाबलों में, स्टार्क ने हेड को 6 बार आउट किया है। छह बार में से, स्टार्क ने हेड को चार बार बोल्ड किया है वहीं बाकी दो बार, हेड विकेटकीपर के हाथों कैच हुए हैं। हेड ने स्टार्क के पहले ओवर में 11 रन बनाए थे। पर अगले ही ओवर में स्टार्क ने ने उन्हें पेवेलियन भेज दिया। ये भी देखा गया है कि हेड को बाउंसर से परेशानी होती है।

## अर्शदीप को उम्मीद, अय्यर की कप्तानी में आईपीएल खिताब जीतने में सफल होगी पंजाब किंग्स

**लखनऊ(एजेंसी)।** बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय रचनात्मक आत्म-आलोचना को देते हुए कहा कि वह हर मैच में अपने प्रदर्शन में एक से डेढ़ प्रतिशत का सुधार करने की कोशिश करते हैं। आखिरी ओवरों के विशेषज्ञ के तौर पर तेजी से उभर रहे इस 26 साल के गेंदबाज ने इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्ढक्क) के मौजूदा सत्र में गुजरात टाइटंस के खिलाफ साई सुदर्शन और शेरफेन रदरफोर्ड के महत्वपूर्ण विकेट चटकाकर टीम को पहले मैच में 11 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा की।

पिछले कुछ वर्षों में अपनी गेंदबाजी की विकास के बारे में पूछे जाने पर अर्शदीप ने 'जियोहॉटस्टार' से कहा, 'मेरा प्रदर्शन अच्छा हो या खराब मेरे लिए महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं हर मैच में अपने खेल में एक से डेढ़ प्रतिशत तक का सुधार करूं। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि दुनिया में सबसे बड़ी गुंजाइश सुधार की

है।'

श्रेयस अय्यर इस सत्र में पंजाब किंग्स की कमान संभाल रहे है और अर्शदीप को उम्मीद है कि टीम इस सत्र में पहली बार आईपीएल खिताब जीतने में सफल होगी। श्रेयस के साथ अपने रिश्ते और नए कप्तान के दृष्टिकोण के बारे में पूछे जाने पर अर्शदीप ने कहा, 'मैंने दलीप ट्रॉफी में पहले भी अय्यर की कप्तानी में खेला है। मैंने इसका वास्तव में इसका लुत्फ उठाया है। उन्होंने हमेशा अपने खिलाड़ियों का समर्थन किया और उन्हें अपने मुताबिक खेलने की छूट दी है।'

उन्होंने कहा, 'उनका दृष्टिकोण ऐसा ही रहता है। वह खिलाड़ी को सख्त निर्देश देने की जगह अपने कौशल पर भरोसा करने और टीम के लिए खेलने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।' अर्शदीप ने कहा, 'वह निस्वार्थ दृष्टिकोण के साथ खिलाड़ियों को पूरा समर्थन देते हैं। मैं वास्तव में इस मानसिकता की प्रशंसा करता हूं और खिलाड़ियों के तौर पर लगातार दो आईपीएल खिताब जीतने में हम उनकी पूरी मदद करेंगे।'

अर्शदीप ने अब तक आईपीएल में 66 मैचों में 78 विकेट लिए हैं और भारत के लिए 63 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 99 विकेट ले चुके हैं। उन्होंने कहा कि जब हालात कठिन होते हैं तो वह हमेशा अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा, 'जब टीम दबाव में होती है तब मैं रन लेकर या विकेट चटकाकर अपने खेल के स्तर को ऊंचा करने की कोशिश करता हूं। जब महत्वपूर्ण क्षणों में मुझे गेंद दी जाती है तो यह जानकर अच्छा लगता है कि वे मुझ पर भरोसा करते हैं। मैं अतिरिक्त जिम्मेदारी का लुत्फ उठाता हूं।'

## लक्जरी कारों के भी शौकीन हैं शुभमन

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज शुभमन गिल आजकल आईपीएल में गुजरात किंग्स की कप्तानी कर रहे हैं। शुभमन ने भारतीय टीम में आने के बाद तेजी से सफलता की सीडियां चढ़ी हैं। शुभमन अपनी शानदार बल्लेबाज के साथ ही आलिशान जीवनशैली के लिए जाने जाते हैं। वह तेज रफ्तार वाली लक्जरी कारों के भी शौकीन हैं। इसी कारण उनके पास एक से बढ़कर एक कारें हैं। इस बल्लेबाज ने हाल में ही एक और लग्जरी कार रेंज रोवर वेलार खरीदी है जिससे अब उनके कलेक्शन में एक और कार जुड़ गयी है। इस नई रेंज रोवर वेलार की कीमत तकरीबन 80 लाख रुपये है। इसमें एक मजबूत 2.0-लीटर टर्बोचार्ज्ड फोर-सिलेंडर इंजन है, जो लगभग 247 हॉर्सपावर की प्रभावशाली शक्ति उत्पन्न करता है। यह एसयूवी आराम और प्रदर्शन का एक संतुलित मिश्रण प्रदान करती है, जो इसे शहर की ड्राइव और लंबी यात्राओं दोनों के लिए एक आदर्श वाहन बनाती है। शुभमन को कई बार उनकी मर्सिडीज-बेंज ई 350 में देखा गया है, जिसकी कीमत लगभग 90 लाख से 93 लाख रुपये के बीच है। इस अल्ट्रा-लग्जरी कार में 3.0-लीटर वी 6 इंजन है, जो अधिकतम 255 हॉर्सपावर की ताकत और 370 एनएम का पीक टॉर्क उत्पन्न करता है। यह लग्जरी कार अपने स्थिर ड्राइविंग अनुभव, प्रीमियम फीचर्स और विशाल केबिन के लिए जानी जाती है। इसे अलावा उनके पास महिंद्रा थार भी है जो उन्हें कंपनी के मालिक आनंद महिंद्रा ने शानदार प्रदर्शन के लिए उपहार में दी थी। 2.0-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन और 2.2-लीटर टर्बो डीजल इंजन वाली इस कार की कीमत 10.55 लाख रुपये से 16.78 लाख रुपये है।

## विराट कोहली ने अगले विश्व कप के लिए उपलब्धता पर तोड़ी चुप्पी

**स्पोर्ट्स डेस्क।** भारत के चैम्पियंस ट्रॉफी जीत के बाद से ही जो एक सवाल खड़ा हो रहा था वह यह कि क्या अब रोहित शर्मा और विराट कोहली एक साथ मैदान में दिखाई देंगे। इस पर अब भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने स्पष्ट करते हुए कहा है कि वह जल्द ही संन्यास लेने की योजना नहीं बना रहे हैं, और अब उन्होंने एक बार फिर अपने प्रशंसकों को आश्वस्त किया है कि वह संन्यास लेने से पहले एक और ढ्ढष्ट खिताब जीतना चाहते हैं।

मुंबई में एक कार्यक्रम में भाग लेने के दौरान जब मेजबान ने पूछा कि अगले बड़े कदम के बारे में कोई संकेत है? कोहली ने कहा, 'अगला बड़ा कदम। मुझे नहीं पता, लेकिन शायद अगला विश्व कप जीतने की कोशिश करूं।' 36 वर्षीय खिलाड़ी के इस जवाब का स्वागत भीड़ ने तालियों से किया। विराट कोहली 2023 वनडे विश्व कप में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे, लेकिन ये प्रयास बेकार गए क्योंकि टीम अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल में हार गई। भारत ने आखिरी बार 2011 में एमएस धोनी की कप्तानी में वनडे विश्व कप जीता था। टीम 2015 और 2019 के सेमीफाइनल में हार गई, जबकि 2023 में फाइनल में भारतीय प्रशंसकों का दिल टूट गया।

## शास्त्री ने अश्वनी कुमार की जमकर प्रशंसा की, पूछा लंच में क्या खाया

मुंबई । पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेर बने रवि शास्त्री ने मुंबई इंडियंस के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार की जमकर प्रशंसा की है। शास्त्री ने आईपीएल के अपने पहले ही मैच में चार विकेट लेने वाले अश्वनी की जमकर प्रशंसा की है। अश्वनी की शानदार गेंदबाजी के बल पर ही मुम्बई को 18 वें सत्र में पहली जीत मिली है। अश्वनी ने इस मैच में केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे, रिंकू सिंह, मनीष पांडे और आंद्रे रसेल जैसे प्रमुख बल्लेबाजों को पेवेलियन भेजा। वहीं जब शास्त्री ने अश्वनी से पूछा कि लंच में क्या खाया था तो अश्वनी ने बताया कि मैच के पहले हुए दबाव से उन्हें भूख नहीं लगी थी। ऐसे में उन्होंने केवल एक केला खाया था। मैच में उनकी शानदार गेंदबाजी से मुंबई ने कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को आसानी से हरा दिया। शास्त्री ने अश्विनी से मजाकिया अंदाज में कहा, अपने बैग में हमेशा केले रखा करो। अश्वनी ने कहा कि कप्तान हार्दिक पांड्या ने उनसे कहा था कि यह तुम्हारा पहला मैच है, इसलिए बिना तनाव लिए अपने अनुसार गेंदबाजी करो। अश्वनी ने आईपीएल खेलने से पहले केवल चार ही टी20 मैच खेले थे। इसके अलावा उन्होंने 2 रणजी ट्रॉफी और 4 लिस्ट ए मैच भी खेले हैं। यह पहली बार था जब अश्वनी ने एक मैच में 4 विकेट लिए हैं। इससे पहले लिस्ट ए क्रिकेट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 37 रन देकर तीन विकेट और टी20 क्रिकेट में एक विकेट पर 19 रन था।

## अनुभवी फॉरवर्ड वंदना कटारिया ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी को कहा अलविदा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय महिला टीम की दिग्गज खिलाड़ी वंदना कटारिया ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कह दिया और कहा कि अपने 15 वर्ष के सुनहरे कैरियर के शिखर पर वह विदा ले रही हैं। भारत के लिए 320 मैच खेल चुकी 32 वर्ष की स्ट्राइकर कटारिया ने भारतीय महिला हॉकी के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेले हैं।

उन्होंने कहा, 'आज भारी लेकिन कृतज्ञ मन से मैं अंतरराष्ट्रीय हॉकी से विदा ले रही हूं। यह फैसला सशक्त सशक्त करने वाला और दुखी करने वाला दोनों है। मैं इसलिए नहीं हट रही हूं क्योंकि मेरे अंदर की आग मंद पड़ गई है या मेरे भीतर हॉकी नहीं बची है बल्कि इसलिए क्योंकि मैं अपने करियर के शिखर पर संन्यास लेना चाहती हूं, जबकि मैं अभी भी अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर हूं।'

उन्होंने कहा, 'यह विदाई थकान की वजह से नहीं है। यह अंतरराष्ट्रीय मंच को अपनी शर्तों पर छोड़ने का एक विकल्प है, मेरा सिर ऊंचा रहेगा और मेरी स्टिक अभी भी आग उगल रही होगी। भीड़ की गर्जना, हर गोल का रोमांच और भारत की जर्सी पहनने का गर्व हमेशा मेरे मन में गूंजता रहेगा।'

2009 में सीनियर टीम में पदार्पण करने वाली कटारिया तोक्यो ओलंपिक 2020 में चौथे स्थान पर रही भारतीय टीम का हिस्सा थी जिसमें उन्होंने हैट्रिक भी लगाई। ऐसा करनी वाली वह पहली और इकलौती भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। कटारिया ने कहा, 'अपनी साथी खिलाड़ियों, अपनी बहनों से मैं यही कहूंगी कि आपके लगाव और विश्वास ने मुझे बल दिया। मेरे कोचों और मेंटर्स ने अपनी सूझबूझ और मुझ पर भरोसे के सहारे मेरे कैरियर को तराशा।'

हरिद्वार की रहने वाली कटारिया ने फरवरी में भुवनेश्वर में एफआईएच प्रो लीग में भारत के लिए आखिरी मैच खेला। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मेरे दिवंगत पिता मेरी चट्टान, मेरे मार्गदर्शक थे। उनके बिना मेरा सपना कभी पूरा नहीं होता। उनके बलिदानों और प्यार से मेरे खेल की नींव पड़ी। उन्होंने मुझे सपने देखने, लड़ने और जीतने के लिए मंच दिया।'

उन्होंने कहा, 'लेकिन मेरी कहानी यहां खत्म नहीं होती। यह नई शुरूआत है। मैं हॉकी उठाकर नहीं रखूंगी। मैं खेलती रहूंगी। हॉकी इंडिया लीग में और उसके अलावा भी। टर्फ पर अभी भी मेरे कदम पड़ेंगे और खेल के लिए मेरा जुनून कम नहीं होगा।' उन्होंने कहा, 'मैं अंतरराष्ट्रीय हॉकी से विदा ले रही हूं लेकिन हर स्मृति, हर सबक और सारा प्यार साथ लेकर जा रही हूं।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# अब अपनी हॉबी को ही बना सकते हैं करियर ऑप्शन

आज के समय में जॉब करना आसान नहीं रह गया है। यह काम तब और मुश्किल हो जाता है, जब किसी का प्रोफेशन और हॉबी अलग-अलग हो। जिसके कारण आजकल कई लोग जॉब तो कर रहे हैं , लेकिन वे उन जॉब्स से खुश नहीं हैं। पैसा कमाने के लिए जॉब करना और अपने पैशन को फॉलो करके उसमें आगे जाना दोनों बहुत अलग बात हैं। फिर चाहे उसमे पैसे थोड़े कम क्यों न हो।

फोटोग्राफी, राइटिंग, म्यूजिक, डांस, सिंगिंग, कुकिंग, पेंटिंग समेत कई ऐसी हॉबी होती हैं, जिन्हे आप फुल टाइम करियर में बदल सकते हैं। सोचिये जो काम आपको सबसे ज्यादा पसंद है और आपकी हॉबी है, उसे आप अलग से समय निकाल कर करते हैं, अगर इसी हॉबी को अपना प्रोफेशन बना लें तो कितना अच्छा रहेगा। अगर आप भी अपनी हॉबी को करियर का रूप देना चाहते हैं, तो यहां पर दिए गए 7 टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

### सबसे पहले रिसर्च करें

अपनी हॉबी को प्रोफेशन में बदलने के लिए सबसे पहले जो काम आपको करना है वो है रिसर्च। किसी भी हॉबी के बारे में आपको पूरी जानकारी होनी चाहिए। आपको पता लगाना है कि क्या आपकी हॉबी फुल टाइम करियर बना सकती है या नहीं। उसमें जॉब और करियर के क्या अवसर हैं और उस क्षेत्र में कितने लोग काम कर रहे हैं और कितने अनुभव की जरूरत पड़ती है।

### सही फीडबैक लें

कोई भी व्यक्ति अपने काम को जज नहीं कर सकता और न ही आपका परिवार या दोस्त आपकी इसमें मदद कर सकते हैं। किसी भी काम को शुरू करने से पहले गाइडेंस के लिए जरूरत होती है एक अनुभवी प्रोफेशनल की जो आपका मेंटर बने। हमेशा याद रखें कि काम शुरू करने से पहले अपनी हॉबी के बारे में अपने मेंटर से ईमानदार फीडबैक लेना बिल्कुल ना भूलें।

### शुरू से शुरुआत करें

यह बात पहले ही अपने मन में बैठा लें कि जब आप कोई करियर स्विच करेंगे तो हो सकता है कि आपको नीचे से ही शुरू करना पड़े। आप अपनी जॉब में फिलहाल ऊंची पोस्ट पर हों, लेकिन आपको नये करियर में नीचे से ही शुरू करना होगा। इसलिए अपनी तैयारी पहले से ही पूरी कर लें।

### पुरानी स्किल्स का इस्तेमाल

आपके पुराने और नये करियर में भले ही कोई समानताएं न हों। लेकिन फिर भी हर जगह से हम कुछ न कुछ स्किल्स तो सीखने को मिलती ही हैं। ऐसी कई स्किल होती हैं, जो हर फील्ड में काम आती हैं। जैसे अगर आप किसी कंपनी के सेल्स डिपार्टमेंट में काम कर रहे हैं और पेंटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी मार्केटिंग स्किल यहां भी काम आएगी। इसलिए ध्यान रखें कि सभी स्किल का इस्तेमाल अपने नये करियर में करें।

### अपनी फील्ड के एक्सपर्ट बनें

अपनी हॉबी में करियर बनाने से पहले आप उस फील्ड से जुड़े लोगों से संपर्क बनाएं। अपनी नॉलेज और स्किल्स को बढ़ाएं, एक अच्छा नेटवर्क बनाएं। यह आपको आगे बढने में मदद करेगी। आपको उस फील्ड में सबसे बेहतर बनाने की कोशिश करें।

### अपने काम को मोनेटाइज करें

प्रूफ ऑफ कंसेप्ट एक बिजनेस टर्म है जिसका इस्तेमाल उन उद्यमियों के द्वारा किया जाता है जो फंडिंग की तलाश में होते हैं। आपको भी अपने लिए फंडिंग का इंतजाम करना चाहिए। क्योंकि किसी भी काम के लिए आर्थिक सुविधा बहुत जरूरी है। अगर वह नहीं रहेगा तो आप आगे भी नहीं बढ़ पाएंगे। इसलिए अपने काम से पैसे कमाने की कोशिश करें। आप चाहे तो आपकी स्किल को ऑनलाइन सिखा सकते हैं, एक्सपर्ट लेक्चर ले सकते हैं। या फिर खुद की वर्कशॉप भी लगा सकते हैं।

### इस तरह बदले अपने पैशन को प्रोफेशन में

जब आपके मन में अपने पैशन को प्रोफेशन बनाने का विचार आए तो सबसे पहले अपने सभी हॉबी की लिस्ट बनाएं। मान लीजिये आपकी तीन हॉबी हैं। आपको लिखने का शौक हैं, फोटोग्राफी और पेंटिंग का भी शौक है। अब एक- एक हॉबी पर विचार कीजिए और उसके साथ कुछ दिन जी कर देखें। इससे आपको अपने आप ही मालूम हो जायेगा कि किस काम को लेकर आप ज्यादा बेहतर हैं और वह कार्य करते हुए आपको ज्यादा खुशी मिलती है।

# सफलता के लिए हमेशा याद रखें...

किसी भी कार्य की सफलता के लिए भावना अच्छी होनी चाहिए। कार्य को प्रारम्भ करने के पीछे हमारा भाव क्या है। हम क्या करना चाहते हैं इसका महत्व है। सफलता के लिए भगवान का सुमिरन कर कार्य करें। भगवान का ध्यान कर किए जाने वाले कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। केवल परिश्रम से कुछ नहीं होता। कुछ लोग भगवान की असीम कृपा से कम परिश्रम में भी सफलता की ऊंचाइयों को छू लेते हैं। संतों ने सफलता के 3 मंत्र बताए। पहला भगवान का स्मरण, दूसरा धैर्य तथा तीसरा परमार्थ की भावना जुड़ी होनी चाहिए।

प्रत्येक मंदिर बाहर से स्वच्छ होना चाहिए और भीतर से पवित्र होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति भी बाहर से स्वच्छ और भीतर से पवित्र होना चाहिए। फिर कोई लम्बी साधना करने की जरूरत नहीं। मां त्रिस्तरीय काम करती है। सृष्टि को उत्पन्न करती है, उसका परिपालन और उसका संघार करती है। अम्बा के 3 स्तर हैं, स्त्री शरीर अम्बा का ही अंश है। ऐसा मानकर उसका 3 स्तर पर सम्मान करना चाहिए। कन्या का सम्मान, धर्मपत्नी का सम्मान और मां का सम्मान। आनंद की अंतिम सीमा आंसू हैं। हम सबका जीवन फल होना चाहिए प्रेम। सत्य शायद हम चूक जाएं। करुणा छूट जाए लेकिन प्रेम बना रहे। यह जीवन का फल है।

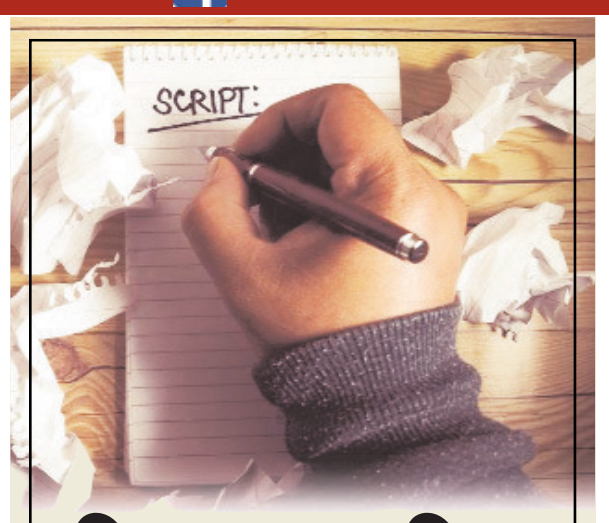

# स्क्रिप्ट राइटिंग में करियर

यदि आप लेखन में दक्षता रखते हैं और आपको किताबें पढने में भी गहरी रुचि है तो स्क्रिप्ट राइटर के तौर पर आप अपने शौक को करियर का रूप भी दे सकते हैं। जो युवा लिखने-पढने के साथ मानवीय संवेदनाओं को पकड़ कर अभिव्यक्त करने की क्षमता रखते हैं उनके लिए भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

### कार्यक्षेत्र

विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट राइटर्स की सेवाएं विशेष तौर पर ली जाती हैं। अक्सर विज्ञापनों में ऐसे शब्दों या पंक्तियों का इस्तेमाल किया जाता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाती हैं। ये सब स्क्रिप्ट राइटर के दिमाग की ही उपज होते हैं। ऐसी रोचक बातों को जिंगल्स कहा जाता है।

बेशक स्क्रिप्ट राइटर का काम सिर्फ जिंगल लिखना ही नहीं होता बल्कि और कई चीजें हैं जो स्क्रिप्ट राइटर करते हैं लेकिन अधिकतर की शुरूआत जिंगल्स से ही होती है।

जाहिर है कि स्क्रिप्ट राइटिंग कहानियां और कविताएं लिखने से कुछ अलग होता है क्योंकि स्क्रिप्ट में लिखी गई हर बात का फिल्मांकन किया जाता है इसीलिए लेखक को यह सोचकर लिखना पड़ता है कि उसके द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट पढ़ी नहीं देखी जाएगी।

### कौशल

इसमें क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों में रचनात्मकता का होना आवश्यक है। कम शब्दों में आपको उत्पादों की विशेषताओं को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होता है। विज्ञापनों के लिए ऐसी जिंगल्स की रचना करनी पड़ती है कि सुनते या पढ़ते ही वह ग्राहक के जेहन में आ जाए। वैसे कोई डिग्री कोर्स तो नहीं होता पर ये जर्नलिज्म के अंतर्गत आता है।

कल तक विज्ञापन ग्राहकों की संतुष्टि के लिए बनाए जाते थे लेकिन आज जो विज्ञापन आ रहे हैं वे ग्राहकों के संतोष के साथ उसकी खुशी और मनोरंजन को भी महत्व दे रहे हैं। मानवीय भावनात्मक पक्षों को छूते विज्ञापन न सिर्फ देर तक याद रहते हैं बल्कि मन पर भी गहरा असर छोड़ते हैं।

जिस भी भाषा में आप स्क्रिप्ट राइटिंग करना चाहते हैं उसका गहन ज्ञान आपको होना चाहिए। आपको अधिक से अधिक पुस्तकों को भी पढना चाहिए ताकि आपको विभिन्न लेखकों की शैली की जानकारी भी प्राप्त हो सके। साथ ही फिल्मों तथा धारावाहिकों की स्क्रिप्ट पर गौर करने की आदत भी डाल लें। इसके बाद आप स्क्रिप्ट लेखन में हाथ आजमाएं।

### योग्यता

स्क्रिप्ट राइटिंग में सबसे अहम जरूरत रचनात्मकता की होती है जो पूर्णत- व्यक्ति की विश्लेषण और कल्पना क्षमता पर आधारित होती है लेकिन फिर भी इसके लिए पत्रकारिता का कोर्स कर लिया जाए तो बेहतर होता है। किसी भी विषय में 12वीं कक्षा पास करने के बाद पत्रकारिता में ग्रैजुएशन कर सकते हैं। जो छात्र ग्रैजुएशन कर चुके हैं वे किसी प्रतिष्ठित संस्थान से पत्रकारिता में एम.ए. भी कर सकते हैं।

### प्रमुख संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
एमिटी स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
इंडियन इंस्टी. आफ मास कम्युनिकेशन नई दिल्ली
जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

# लाभदायक करियर इमेज कंसल्टिंग

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टी. भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं, जिसकी स्थापना उन्होंने 2009 में की। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गईं। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढिय़ा परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

# पत्राचार शिक्षा से बदलती युवाओं की तकदीर

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है। अधिकतर पत्राचार पाठ्यक्रम विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जाते हैं और इनमें सभी विषय-विधाओं के 10+2 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है।

देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं।

अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## नगदी का मामला : तीन जजों की समिति, सीबीआई जांच की सिफारिश करेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नकदी बरामदगी विवाद में फंसे जस्टिस यशवंत वर्मा के मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनाई गई 3 सदस्यीय समिति सीबीआई जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट से सिफारिश करेगी। उम्मीद जताई है ऑल इंडिया बार एसोसिएशन के चेयरमैन और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ आदीश सी अग्रवाला ने जस्टिस यशवंत वर्मा के आउटहाउस में कथित रूप से जलाए गए पैसों की हालिया घटना को लेकर आदीश ने सोमवार को एक बयान जारी किया और कुछ अहम बिंदुओं पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि कमेटी इस मामले में लगाए गए पैसों के स्रोत का पता लगाने, तथा ये पैसे जस्टिस वर्मा के आउटहाउस में कैसे पहुंचे, के बारे में पक्की जांच करने में सक्षम नहीं है, और कोई ठोस निष्कर्ष नहीं निकाल सकती है। इसके अलावा, कमेटी को धारा 180 बीएनएसएस और धारा 183 बीएनएसएस के तहत गवाहों के बयान दर्ज करने का भी अधिकार नहीं है, जिससे इस घटना की व्यापक जांच करने की उसकी क्षमता सीमित हो जाती है। डॉ अग्रवाला ने आगे कहा, यह कमेटी आपराधिक मंशा या पैसों के स्रोत को लेकर कोई ठोस निष्कर्ष नहीं निकाल सकती। साथ ही, कमेटी के सदस्य भी किसी संभावित आपराधिक जांच में गवाह बनने से संकोच कर सकते हैं।

## गैस सिलेंडर फटने से 4 बच्चों समेत 7 लोगों की मौत

कोलकाता (एजेंसी)। दक्षिण 24 परगना जिले के पाथर प्रतिमा में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां घर में रखे दो सिलेंडरों में धमाके होने के बाद 4 बच्चे, 2 महिलाएं और एक पुरुष की मौत हो गई है। आशंका है कि ये सभी एक ही परिवार के हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पथार प्रतिमा प्रखंड के धोलाघाट गांव में रात करीब नौ बजे हुए विस्फोट में एक महिला झुलस भी गई। सुंदरबन पुलिस जिले के पुलिस अधीक्षक कोटेश्वर राव ने मीडिया से कहा, सभी शवों को घर से निकाल लिया गया है। झुलसी महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की चपेट में आने वाले सभी लोगों के एक ही परिवार से होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि पुलिस को संदेह है कि घर में दो गैस सिलेंडर थे और अंदर रखे पटाखों में आग लगने के बाद आग फैल गई। राव ने कहा, स्थिति नियंत्रण में है और बचाव अभियान पूरा हो गया है। इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और जांच जारी है। वहीं, एक अन्य अधिकारी ने बताया कि यह भी पता लगाने के लिए जांच की जाएगी कि क्या पटाखों का निर्माण घर के अंदर ही किया गया था।

## दरवाजा खटखटाया खुलते ही जबरन घर में घुस गए आतंकी, खाना खाया और भाग गए

जम्मू (एजेंसी)। कठुआ के एक घर में आतंकी घुस गए। पानी पिया और रसाई में रखी सब्जी रोटी खाकर भाग गए। इस दौरान उन्होंने परिवार वालों को जमकर डराया और धमकाया।परिवार ने सुरक्षाबलों को बताया कि बीती शाम तीन संदिग्ध आतंकी उनके घर में घुसे। तीनों भूखे प्यासे थे। उन?होंने पहले घर के बाहर पहुंचकर पानी मांगा, फिर जबरदस्ती रसोईघर में घुस आए। परिवार की महिला सदस?य ने कहा कि वो मुझे पैसे दे रहे थे लेकिन मैने नहीं लिए। इसके बाद वो रसोई में जाकर कड़ाई से खुद सब्जी और रोटी निकाल कर खाने लगे। हमने बहुत बार बोला कि हमारे घर के अंदर न जाओ पर वह माने नहीं। महिला के मुताबिक वह इंडियन करेंसी के 500-500 के नोट दे रहे थे। उनके पास भारी बैग थे और उन?होंने काले कपड़े पहने हुए थे। हम डर से घर को छोड़ कर भाग गए। करीब एक घंटे के बाद वह रसोई में जो भी खाने को मिला, उसे खाने के बाद वह चले गए। कठुआ में इंडियन आर्मी और आतंकियों के बीच सोमवार देर रात से यह मुठभेड़ जारी है। सुरक्षाबलों का दावा है कि बीते 8 दिनों में यह दहशतगर्दों के साथ उनका तीसरा एनकाउंटर है। इस परिवार के घर में जबरन खाना खाने के बाद सुरक्षाबलों ने उनकी तलाश में आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान आतंकियों की तरफ से भी गोलीबारी की गई।जांच टीम ने बताया कि रामकोट बेल्ट के पंजतीर्थी इलाके में अभियान अभी भी जारी है। मुठभेड़ के मद्देनजर जंगल में फंसे तीनों आतंकवादियों को भागने से रोकने के लिए रात में घेराबंदी कर दी गई थी। इससे पहले दिन में पुलिस उप महानिरीक्षक शिव कुमार शर्मा ने कहा था कि आखिरी आतंकवादी के मारे जाने तक अभियान जारी रहेगा।

## सो रहे पुजारी पर बदमाशों ने किया हमला, पुलिस कर रही संदिग्धों से पूछताछ

कुशीनगर (एजेंसी)। नेबुआ नौरंगिया के टोला हजारीपट्टी स्थित कुंवरवर्ती मां मंदिर परिसर में कमरे में सो रहे पुजारी पर नकाबपोश बदमाशों ने हमला कर दिया था। पुजारी पर हुए जानलेवा हमला के 48 घंटे बाद भी पुलिस हमलावरों को नहीं पकड़ सकी है। पुलिस ने चार संदिग्धों को हिरासत में लिया उनसे पूछताछ की जा रही है। मंदिर के पुजारी व दुबौली हजारीपट्टी निवासी जटाधारी रामलखनदास त्यागी पुत्र रामनारायण दास शनिवार रात मंदिर परिसर में बने कमरे में सो रहे थे कि आधी रात हथियारों से लैस नकाबपोश बदमाशों ने कमरे का फाटक तोड़ने का प्रयास करने लगेद्य पुजारी की जब नींद खुली तो उन्होंने फाटक खोला। इसके बाद बदमाश उन पर हमला कर उन्हें बंधक बनाकर पांच सौ मीटर दूरी पर घसीटते हुए केले के खेत में ले गए । आरोप है कि वहां बदमाशों ने पुजारी के हाथ बांध दिया और उन्हें जमकर पीटा। उसके बाद मंदिर के कमरे में पहुंच कर तोड़फोड़ कर कुछ नगदी समेत कुछ सामान उठा ले गए। बदमाशों के जाने के बाद पुजारी गांव में पहुंच कर लोगों को घटना की जानकारी दी, तो ग्रामीणों को इसकी जानकारी मिली तो आक्रोशित हो गए। ग्रामीणों ने मंदिर परिसर में विरोध प्रदर्शन कर शीघ्र खुलासा करने की मांग की। इस मामले में पुलिस ने मामला दर्ज कर चार संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। प्रभारी निरीक्षक नेबुआ नौरंगिया ने बताया कि सोमवार को दो अन्य को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद दोनों को छोड़ दिया। मामले की जांच चल रही है। जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

# अखिलेश पर योगी का तंज, अपने कृत्यों से दुर्गंध नहीं आती, गौसेवा में दुर्गंध नजर आती

**बरेली (एजेंसी)।** उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव के गौशाला की दुर्गंध बनाम इत्र की सुगंध वाले बयान पर जवाब दिया है। उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश पर निशाना साधकर कहा कि जिन्हें अपने कृत्यों से दुर्गंध नहीं आती है, उन्हें गौमाता की सेवा में दुर्गंध ही नजर आएगी।

सीएम योगी ने बरेली कॉलेज मैदान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर कहा, मां गंगा की पूजा करने का जो पुण्य प्राप्त हुआ, वहीं गौ माता की पूजा करने से प्राप्त होगा। सपा के लोग जो गौकशी करवाते थे, गौतस्करों और कसाइयों के साथ जिनके संबंध थे, वे गौ माता की सेवा करना क्या जानें, उन्हें गौ माता के गोबर में दुर्गंध ही नजर आएगी। उन्हें अपने कृत्यों से दुर्गंध नहीं दिखाई देती है, उन्हें गौ माता की सेवा में दुर्गंध नजर आती थी। इसीलिए सपा अध्यक्ष के मुंह से आखिर निकल ही गया।

बीते दिनों अखिलेश यादव ने कहा था, कन्नौज में हमने भाईचारे की खुशबू फैलाई है। दूसरी ओर भाजपा नफरत की बदबू फैलाती है। मैं कन्नौज के लोगों से आग्रह करता हूं कि वे भाजपा द्वारा फैलाई गई दुर्गंध को दूर करें, कुछ हद तक यह पहले ही साफ हो चुकी है, लेकिन अगले चुनाव में पूरी तरह से हटा दें ताकि कन्नौज का रुका हुआ विकास आगे बढ़ सके। भाजपा के लोग दुर्गंध पसंद करते हैं, इसीलिए गौशाला बना रहे हैं। हम सुगंध पसंद कर रहे थे, इसलिए इत्र पार्क बना रहे थे। सीएम योगी ने मंगलवार को बरेली में स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने स्कूली बच्चों को किताबें और किट भी बांटी। इसके साथ ही सीएम योगी ने 932 करोड़ रुपए की 132 योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

सीएम योगी कहा, 2017 में जब बेसिक शिक्षा परिषद की स्थिति को मैंने देखा था, तब बेसिक शिक्षा परिषद की स्थिति बेहद खराब थी। तमाम स्कूल बंदी की कगार पर जा रहे थे। स्मार्ट क्लास और डिजिटल लाइब्रेरी की बात दूर की कौड़ी थी। आज मुझे बताकर प्रसन्नता हो रही है, यूपी में 2017 में 1 करोड़ 34 लाख बच्चों ने केवल नामांकन करवाया था, जिसमें से 60 प्रतिशत बच्चे वे थे, जो कभी स्कूल नहीं जाते थे।

## विदेशों में काम करने वाले भारतीयों ने साल 2024 में बंपर पैसा भेजा, रेमिटेंस के मामले में शीर्ष पर भारत

नई दिल्ली । विदेशों में काम करने वाले भारतीयों ने 2024 में रिकॉर्ड 129.4 अरब डॉलर की राशि भेजी है। वहीं, देश को अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में अब तक का सबसे अधिक करीब 36 अरब डॉलर का रेमिटेंस प्राप्त हुआ है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी आंकड़ों से यह जानकारी दी गई। आंकड़ों के अनुसार, 2024 में भारत रेमिटेंस प्राप्त करने में शीर्ष पर था। इसके बाद दूसरे स्थान पर 68 अरब डॉलर के साथ मैक्सिको था। चीन 48 अरब डॉलर के साथ तीसरे स्थान पर, फिलीपींस 40 अरब डॉलर के साथ चौथे और पाकिस्तान 33 अरब डॉलर के साथ पांचवें स्थान पर रहा था। वर्ल्ड बैंक के डेटा के मुताबिक, रेमिटेंस के बढ़ने की रफ्तार 2024 में 5.8 प्रतिशत रही है, जो कि 2023 में 1.2 प्रतिशत थी। बीते कुछ दशकों में विदेशों में काम करने वाले भारतीयों की संख्या करीब तीन गुना बढ़कर 2024 में 1.85 करोड़ हो गई है, जो कि 90 के दशक में 66 लाख थी। इसके साथ ही ग्लोबल माइग्रेंट्स में भारत का शेयर बढ़कर 6 प्रतिशत से अधिक हो गया है, जो कि पहले 4.3 प्रतिशत था। दुनिया के अलग-अलग देशों में रह रहे भारतीयों में से करीब 50 प्रतिशत गल्फ देशों में हैं। वर्ल्ड बैंक के अनुसार, कम और मध्यम आय वाले देशों में रेमिटेंस जैसे कि एफडीआई, अन्य प्रकार के बाहरी वित्तीय प्रवाहों से अधिक हो गया है और जनसांख्यिकीय रुझानों, आय अंतराल और जलवायु परिवर्तन से माइग्रेशन के कारण इसमें वृद्धि जारी रहेगी।

## चारधाम यात्रा को लेकर धामी सरकार एक्शन में, तीर्थ यात्रियों से तय किराया ही लें... वरना परमिट होगा रदद

**देहरादून (एजेंसी)।** दिल्ली-यूपी, राजस्थान सहित देश के अन्य राज्यों से बद्रीनाथ-केदारनाथ उत्तराखंड चारधाम यात्रा पर आने वाले तीर्थ यात्रियों के लिए बड़ी खबर आई है। गंगोत्री-यमुनोत्री सहित चारों धामों में टैक्सी संचालकों की ओर से तीर्थ यात्रियों से मनमाना किराया लेने पर उत्तराखंड की धामी सरकार की ओर से सख्त एक्शन लेने की बात कही है। बता दें कि एक धाम से लेकर चारों धामों के दर्शन के लिए टैक्सी का किराया तय है। विभागीय अधिकारियों का कहना है श्रद्धालुओं से मनमाना किराया लेने पर टैक्सी संचालकों का परमिट भी रद्द होगा।

उत्तराखंड सरकार की ओर से सड़कों को ठीक करने से लेकर बिजली-पानी, स्वास्थ्य सहित अन्य सुविधाओं को पहले से बेहतर बनाया जा रहा है ताकि धामों के दर्शन को जा रहे तीर्थ यात्रियों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी न हो। बता दें कि चारधाम यात्रा के नोडल अधिकारी आरटीओ देहरादून सुनील शर्मा ने टैक्सी संचालकों को सख्त चेतावनी देकर कहा है कि तीर्थ यात्रियों से तय किराया ही लें, वर्ना उनके खिलाफ सख्त एक्शन होगा। उन्होंने चेताया कि श्रद्धालुओं से ज्यादा किराया लेने पर टैक्सी का परमिट भी रद्द किया सकता है।

टैक्सी संचालकों को सख्त हिदायत दी गई है कि वे परमिट शर्तों का पालन किया जाए। चेताया कि ओवरस्पीडिंग और ओवरलोडिंग करने पर सख्त एक्शन लेकर चालानी कार्रवाई की जाएगी। रजिस्ट्रेशन, ग्रीन कार्ड और ड्राइवरों के ड्रेस कोड के बारे में भी अपडेट किया गया। इसके साथ ही, गाड़ियों में डस्टबिन की व्यवस्था सुनिश्चित के लिए भी कहा गया है।

## वक्फ बिल: हजारों पन्नों की रिपोर्ट एक दिन में पढ़ने को दी गई

### -सपा सांसद रामगोपाल यादव भड़के, सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** वक्फ बिल इसी सप्ताह सदन में पेश किया जा सकता है। एक तरफ सरकार ने एनडीए के अपने सहयोगियों को साथ लाने की कोशिशें कर रही है तो वहीं दूसरी तरफ विपक्ष भी एकजुट हो रहा है। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके और आरजेडी जैसे दलों ने पूरी ताकत के साथ बिल का विरोध का ऐलान किया है। इस बीच सपा के राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव ने कहा कि यह सरकार देश में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की योजना पर काम कर रही है।

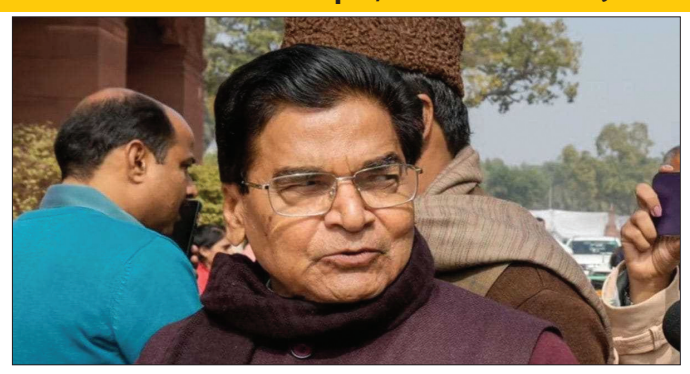

उन्होंने कहा कि जेपीसी में जल्दबाजी में वक्फ बिल की रिपोर्ट पास कराई। विपक्ष को हजारों पन्नों की रिपोर्ट एक दिन में पढ़ने को दी गई है। वहां से जबरदस्ती बिल को पास करा लिया और यहां भी करा लेंगे। रामगोपाल ने कहा कि बीजेपी जब से सत्ता में आई है, तब से उसकी यही कोशिश है कि देश में माहौल खराब किया जाए। उन्होंने मुसलमानों की संपत्ति वक्फ बोर्ड बिल के जरिए छीनने के आरोपों को सही करार दिया। उन्होंने कहा कि यह डर गलत थोड़ी है कि सरकार मुसलमानों की संपत्ति छीन सकती है। उनकी तो जान पर भी खतरा है। पुलिस अभिरक्षा में मारा जा रहा है और उनकी संपत्तियों को हड़पा जा रहा है। इसलिए यदि वक्फ बिल को लेकर उनके मन में कोई डर है तो यह सही है।

वहीं कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि हमने जेपीसी में अपनी ओर से सारे ऐतराज जता दिए थे, लेकिन उन्हें स्वीकार नहीं किया गया। अब हम संसद में भी पुरजोर विरोध करेंगे। शिवसेना उद्धव गुट की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने तो दावा किया है कि सरकार इस बिल को पारित नहीं करा पाएगी। उन्होंने कहा कि टीडीपी, जेडीयू और चिराग पासवान की पार्टियां इस बिल का समर्थन नहीं करेंगी। प्रियंका ने कहा कि मुझे लगता है कि अमेरिका की ओर से टैरिफ लागू हो सकता है। इससे कारोबार पर असर होगा। फार्मा सेक्टर समेत कई उद्योगों ने सरकार से अपील की है कि वह अमेरिका से बात करे। इतने अहम मुद्दे से शायद ध्यान भटकाने के लिए सरकार वक्फ बिल लाना चाहती है। उनका उद्देश्य यही है कि इस बिल के नाम पर जनता का ध्यान भटका दिया जाए। फिर भी बिल की ही बात है तो जेडीयू, टीडीपी और चिराग पासवान इस बिल के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि हर रविवार को किरेन रिजिजू कहते हैं कि इस वीक हम बिल लेकर आएंगे। कई महीनों से ऐसा हो रहा है, लेकिन अब तक बिल तो संसद में नहीं आया है।

## अभिनेता सैफ अली खान पर हमले के आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई टली

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान के घर पर हुए हमले के आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई टल गई है। सैफ पर हमले के आरोपी मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद ने बांद्रा की एक अदालत में जमानत याचिका दायर की है। मामले की सुनवाई मंगलवार को होनी थी। हालांकि, पुलिस द्वारा जमानत आवेदन पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दिए जाने के कारण अदालत ने जमानत आवेदन पर सुनवाई की अगली तारीख 4 अप्रैल तय की है। इसलिए इस जमानत अर्जी पर अब शुक्रवार 4 अप्रैल को सुनवाई होने की संभावना है। इस बीच अदालत ने पुलिस को अगली सुनवाई तक जमानत अर्जी पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। ज्ञात हो कि 16 जनवरी 2025 को सैफ अली खान पर उनके घर में घुसकर हमला किया गया था। घटना में घायल हुए सैफ अली खान को इलाज के लिए बांद्रा पश्चिम स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बीच, आरोपी शरीफुल इस्लाम ने याचिका में दावा किया है कि उसके खिलाफ झूठा मामला दर्ज किया गया है। आरोपी ने दावा किया है कि उसकी गिरफ्तारी अवैध थी और गिरफ्तारी के बाद मामले की जांच करते समय अधिकारियों ने कानून का उल्लंघन किया। याचिका में कहा गया है कि आरोपी ने हिरासत में रहते हुए जांच में अधिकारियों के साथ उचित सहयोग किया है और अब उसे और अधिक समय तक हिरासत में रखने की आवश्यकता नहीं है। याचिका में दावा किया गया है कि इस मामले में आवश्यक बरामदगी और जांच पूरी हो चुकी है, अब केवल आरोपपत्र दाखिल करना बाकी है, इसलिए आरोपियों को हिरासत में रखने की कोई जरूरत नहीं है। आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 311 लगाई गई है, लेकिन याचिका में दावा किया गया है कि इस धारा को लगाने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं हैं। अदालत ने स्पष्ट किया है कि इस मामले में जमानत याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई होगी।

## बंगाल की खाड़ी का गार्डियन बांग्लादेश है वाले बयान पर कांग्रेस नेता ने उठाए सवाल

### पवन खेड़ा बोले- केंद्र सरकार मणिपुर समेत पूरे क्षेत्र की नहीं कर रही है देखभाल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह कहते नजर आ रहे हैं कि बंगाल की खाड़ी का गार्डियन उनका देश है, ना कि भारत। इस वीडियो को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया है और बीजेपी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार की विदेश नीति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कांग्रेस ने कहा कि भारत को घेरने के लिए बांग्लादेश की तरफ से चीन को न्योता देना पूर्वोत्तर क्षेत्र की सुरक्षा के लिए बहुत खतरनाक है। इसने आरोप लगाया गया है कि सरकार मणिपुर समेत पूरे क्षेत्र की देखभाल नहीं कर रही है।

कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने 'एक्स' पर लिखा-भारत को घेरने के लिए बांग्लादेश चीन को आमंत्रित कर रहा है। बांग्लादेश सरकार का यह रवैया हमारे पूर्वोत्तर क्षेत्र की सुरक्षा के लिए खतरनाक है। सरकार मणिपुर की सुध नहीं ले रही है और चीन पहले ही अरुणाचल में गांव बसा चुका है। खेड़ा ने आगे कहा कि हमारी विदेश नीति इतनी दयनीय स्थिति में है कि जिस देश के निर्माण में भारत की प्रमुख भूमिका थी, वह भी आज हमारे खिलाफ लामबंदी करने में लगा है। उन्होंने बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस की एक वीडियो क्लिप साझा की, जिसमें उन्होंने दावा किया कि उनका देश महासागर (बंगाल की खाड़ी) का संरक्षक है। यूनुस चीन में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा कि भारत के पूर्वी हिस्से में चारों ओर से जमीन से घिरे सात राज्य हैं, जिन्हें सात बहनें कहा जाता है। उन्होंने कहा कि उसके पास समुद्र तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है। हम बंगाल की खाड़ी के संरक्षक हैं। यूनुस ने चीन को दुनिया भर में इसके जरिए से माल भेजने के लिए आमंत्रित किया है। वह पिछले सप्ताह चीन की चार दिवसीय यात्रा पर थे, जहां उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी मुलाकात की थी और कई मुद्दों पर बातचीत की थी।

## जातिगत संतुलन साधने के चलते तमिलनाडु में भाजपा बदल सकती है प्रदेशाध्यक्ष

**चेन्नई (एजेंसी)।** तमिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई को उनकी जिम्मेदारी से मुक्त किया जा सकता है। वजह ये है कि भाजपा यहां जातिगत संतुलन साधने पर जोर दे रही है। सूत्रों पर भरोसा करें तो तमिलनाडु में बीजेपी चीफ के पद पर अन्नामलाई की जगह विधायक नैनर नागेंद्रन को दी जा सकती है। हालांकि, इसे लेकर भाजपा की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। पहले एआईएडीएमके में रहे नागेंद्रन तिरुनेलवेली से आते हैं और वह प्रभावी थेवर समुदाय से हैं।

हालांकि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में एक साल का समय बाकी है। इससे पहले ही राज्य की राजनीति में बड़े बदलाव के आसार हैं। खबर है कि भारतीय जनता पार्टी के मौजूदा प्रदेश प्रमुख के अन्नामलाई अध्यक्ष पद छोड़ सकते हैं। हालांकि, कहा जा रहा है कि उन्हें पद से हटाए जाने का फैसला जातिगत समीकरणों के चलते लिया जा सकता है। ये संभावनाएं ऐसे समय पर सामने आ रही हैं, जब हाल ही में भाजपा के पुराने साथी एआईएडीएमके के नेताओं और अन्नामलाई दोनों ने ही केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से दिल्ली में मुलाकात की थी।

रिपोर्ट के अनुसार, अन्नामलाई तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष पद छोड़ सकते हैं। कभी तमिलनाडु में साथ मिलकर चुनाव लड़ने वाली भाजपा और एआईएडीएमके साल 2023 में अलग हो गए थे। तब अन्नामलाई को इसकी बड़ी वजह माना जा रहा था। एक अखबार से बातचीत में भाजपा सूत्रों का कहना है कि यह फैसला अन्नामलाई के लिए सजा नहीं, बल्कि जातिगत समीकरणों के चलते लिया जा सकता है।

दिल्ली में शाह संग हुई एआईएडीएमके नेताओं की बैठक के बाद से ही आगामी विधानसभा चुनाव के लिए गठबंधन की अटकलें तेज हो गई थीं। अब रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि भाजपा के इस फैसले को लेकर अन्नामलाई को शाह के साथ हुई बैठक के दौरान सूचित कर दिया गया है। कहा जा रहा है कि दक्षिण भारतीय राज्य में भाजपा को चर्चा में लाने वाले अन्नामलाई से कहा गया है, दिल्ली को उनके लिए उज्जवल भविष्य नजर आ रहा हैयह माना जा रहा है कि अन्नामलाई ने पार्टी के साथ पूरी वफादारी की बात कही है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने बताया, उन्होंने बता दिया है कि पार्टी के प्रति प्रतिबद्धता को लेकर उनके मन में दूसरे कोई विचार नहीं हैं और वह एक कैडर के तौर पर भी काम करने के लिए तैयार हैं। एक अन्य नेता ने कहा, अन्नामलाई प्रदेश अध्यक्ष पद पर रहें या न रहें, लेकिन वह तमिलनाडु में भाजपा के अहम चेहरे रहेंगे। फिलहाल, यह देखा जाना बाकी है कि वह अपने लिए राष्ट्रीय भूमिका चुनते हैं या राज्य में ही उन्हें दूसरी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

## नगदी कांड: जस्टिस वर्मा ने सभी आरोप नकारे कहा-कैश का सोर्स बताने का प्रश्न ही नहीं उठता

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के घर में कैश कांड का रहस्य बरकरार है। आरोपों से घिरे जस्टिस वर्मा ने सभी आरोपों को सिरे से नकार दिया है। हालांकि इस मामले की चल रही जांच के तहत सुप्रीम कोर्ट ने जज से सीधे तौर पर तीन सवालों के जवाब तलब किए। पहला सवाल था कि जस्टिस वर्मा के घर में स्थित कमरे में मौजूद धन/कैश की उपस्थिति का हिसाब वह कैसे देते हैं? दूसरा सवाल था कि उक्त कमरे में पाए गए कैश का सोर्स बताएं? तीसरा अहम सवाल था कि वह व्यक्ति कौन है, जिसने 15 मार्च 2025 की सुबह कमरे से जले हुए नोट निकाले थे?

जस्टिस वर्मा ने भी सुप्रीम कोर्ट के इन इन तीनों सवालों के सीधे जवाब दिए। पहले सवाल के जवाब में जस्टिस वर्मा ने लिखित रूप से कहा कि मुझे कभी भी घर के स्टोर रूम में पड़े किसी पैसे या नगदी के बारे में पता नहीं था। न तो मुझे और न ही मेरे परिवार के किसी भी सदस्य को कैश यानी नकदी के बारे में कोई जानकारी थी। न ही इसका मुझसे या मेरे परिवार से कोई संबंध है। मेरे परिवार के सदस्यों या कर्मचारीयों को जिस रात को आग लगी उस रात को ऐसी कोई मुद्रा या नकदी दिखाई नहीं गई। दूसरे सवाल का जवाब देते हुए जस्टिस वर्मा ने कहा कि पहले प्रश्न के जवाब से साफ तौर पर जाहिर है कि दूसरे प्रश्न का जवाब यानी कैश का सोर्स को स्पष्ट करने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता।

तीसरे प्रश्न का जवाब देते हुए जस्टिस वर्मा ने कहा कि मैं इस आरोप को पूरी तरह से नकारता हूं कि हमने स्टोर रूम से नोट निकाले हैं। जैसा कि मैंने ऊपर वाले सवाल में बताया है कि हमें जले हुए नोटों की बोरियां न तो दिखाई गईं और न ही सौंपी गईं। कमरे के अंदर आग से लगे जिस सीमित मलबे को बचाने की कोशिश की गई वह अभी भी आवास के एक हिस्से में मौजूद है। सवाल के जवाब में आगे लिखते हुए जस्टिस वर्मा ने कहा कि जैसा कि मैंने बताया कि मैं और मेरी पत्नी 15 मार्च 2025 की शाम को ही इंडिगो की फ्लाइट संख्या 2303 से भोपाल से लौटे थे। इसलिए इसके कथित रूप से हटाए जाने का सवाल हमें ज्ञात नहीं है। किसी भी घटना में मेरे किसी भी कर्मचारी ने किसी भी रूप में कोई वस्तु मुद्रा या नकदी नहीं निकाली। फिलहाल अभी इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की ओर से बनाई गई तीन सदस्यीय समिति जांच कर रही है। जस्टिस वर्मा की ओर से सुप्रीम कोर्ट ने जो सवाल पूछे थे, उस जवाब को भी जांच समिति को सौंप दिया गया है। बता दें कि इस कैश कांड के बाद जस्टिस वर्मा का इलाहाबाद हाईकोर्ट में ट्रांसफर हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा से यह भी कहा कि आप अपने मोबाइल फोन को नष्ट न करें। अपने मोबाइल फोन से किसी भी बातचीत संदेश या डेटा को न हटाए और न ही संशोधित करें।

# भूकंप से गिरी 33 मंजिला इमारत में घुसे चार चीनी हिरासत में; संदिग्ध दस्तावेज चुराने की कोशिश में थे

**बैंकॉक, एजेंसी।** बैंकॉक में शुक्रवार को आए भूकंप में गिरी 33 मंजिला इमारत में अवैध रूप से घुसने पर पुलिस ने चार चीनी नागरिकों को हिरासत में लिया है। पुलिस का कहना है कि चारों युवक इमारत से संदिग्ध दस्तावेजों को चुराने की कोशिश कर रहे थे। चारों के पास से 32 संदिग्ध दस्तावेज भी मिले हैं। पुलिस ने चारों युवकों से पूछताछ शुरू कर दी है। बैंकॉक में भूकंप के झटकों से एक निर्माणाधीन ऊंची इमारत देखते ही देखते धराशायी हो गई थी। 33 मंजिला इमारत थाईलैंड के राज्य लेखा परीक्षा कार्यालय (एसएओ) की थी। इस इमारत को बना रही चीन समर्थित फर्म के खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है। बैंकॉक के गर्वनर ने इमारत वाले क्षेत्र को आपदा क्षेत्र घोषित कर दिया है। साथ ही यहां पर बिना अनुमति के किसी को प्रवेश की अनुमति नहीं है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ब्यूरो के डिप्टी कमिश्नर, पुलिस मेजर जनरल नोपासिन पूलस्वात ने कहा कि भूकंप से गिरी इमारत के पिछले हिस्से से अवैध रूप 32 फाइलों को हटाने के आरोप में चार चीनी नागरिकों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने कहा कि सूचना मिली थी कि कुछ लोग साइट से दस्तावेज हटा रहे हैं। इसके बाद घटनास्थल पर एक संदिग्ध चीनी व्यक्ति मिला। उसने पूछताछ में बताया कि वह निर्माण परियोजना का परियोजना प्रबंधक है। हालांकि उसके पास वैध वर्क परमिट भी मिला। इसके बाद पकड़े अन्य तीनों चीनी युवकों से कागजात जब्त किए गए। तीनों ने पुलिस को बताया कि वे इटालियन-थाई डेवलपमेंट पीएलसी (आईटीडी) के तहत एक ठेकेदार के लिए काम करते थे। वे बीमा दावे के लिए आवश्यक दस्तावेज लेने के लिए वहां गए थे। पूछताछ पूरी करने के बाद पुलिस ने संदिग्धों को अस्थायी रूप से रिहा कर दिया। इसके बाद चीनी नागरिकों के खिलाफ निर्माण स्थल में प्रवेश करके और इमारत से ब्लूप्रिंट और अन्य दस्तावेज निकालने के आरोप में शिकायत दर्ज की गई। पुलिस ने बताया कि चारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।



**चीन से है इमारत का कनेक्शन :** 33 मंजिला इमारत थाईलैंड के राज्य लेखा परीक्षा कार्यालय (एसएओ) की थी। दो अरब से अधिक बहत (45 मिलियन पाउंड) की लागत से तीन साल से यहां कार्यालय का निर्माण किया जा रहा था। बताया जा रहा है कि एसएओ भवन की इमारत के निर्माण को लेकर इटालियन-थाई डेवलपमेंट पीएलसी (आईटीडी) और चाइना रेलवे नंबर 10 (थाईलैंड) लिमिटेड में अनुबंध हुआ था। चाइना रेलवे नंबर 10 (थाईलैंड) चीन के बड़े इंजीनियरिंग ग्रुप की सहायक कंपनी है, इसके पास 49 फीसदी हिस्सेदारी है।

**डोनाल्ड ट्रंप की धमकी के बाद पलटवार को तैयार ईरान, हमले के लिए भूमिगत मिसाइल लॉन्चर किए लोड : तेहरान, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी के बाद ईरान ने हमले की तैयारी शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान ने भूमिगत मिसाइल लॉन्चर लोड कर दिए है। डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी दी थी कि अगर ईरान परमाणु कार्यक्रम पर समझौता नहीं करता है तो उस पर बमबारी की जाएगी।

एक्स पर एक पोस्ट में कहा गया कि ईरान की सभी मिसाइलें भूमिगत मिसाइल शहरों में लॉन्चरों पर लोड हो चुकी हैं। मिसाइलें लॉन्च के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। अमेरिकी सरकार और उसके सहयोगियों को भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। ईरान ऑब्जर्वर की रिपोर्ट के अनुसार ईरानी अधिकारियों ने भूमिगत बंकरों का विवरण देते हुए कई वीडियो जारी किए हैं। ये बंकर खेबर शेकन, हज कासिम, गदर एच, सेज्जिल और इमाद जैसे हथियारों से लैस हैं। इससे पहले ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कहा था कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम में अमेरिका के साथ सीधी बातचीत में शामिल नहीं होगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अगर ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका के साथ समझौता नहीं करता तो उस पर बमबारी की जाएगी। अपनी आक्रामक टैरिफ नीतियों के कारण लगातार चर्चा में बने हुए ट्रंप ने ईरान पर भी अतिरिक्त शुल्क लगाने की चेतावनी दी। ट्रंप ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा, अमेरिकी और ईरानी अधिकारियों के बीच बातचीत हो रही है, लेकिन फिलहाल वे इस संबंध में विस्तार से नहीं बता सकते। ट्रंप ने यह भी बताया कि उन्होंने चार साल पहले भी ऐसा किया था। अमेरिका ने पहले भी दी है सैन्य परिणाम भुगतने की चेतावनी, ईरान बेपरवाह बता दें कि ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल (2017-2021) में ईरान की विवादित परमाणु गतिविधियों के कारण सख्त पाबंदियां लगाई थीं। उन्होंने 2015 में हुए ईरान और विश्व शक्तियों के समझौते से अमेरिका को अलग कर लिया था।

## यूरोप के स्पेस प्रोग्राम को लगा तगड़ा झटका, सिर्फ 40 सेकंड में ही धरती पर गिरा रॉकेट



**बर्लिन, एजेंसी।** यूरोप की अंतरिक्ष परियोजना को बड़ा झटका लगा है। जर्मनी की बवेरियन इसार एयरोस्पेस कंपनी का अंतरिक्ष रॉकेट उड़ान भरने के 40 सेकंड बाद ही धमाके के साथ धरती पर आ गिरा। दुर्घटना के कारण अंतरिक्ष रॉकेट में भीषण आग लग गई। इस बारे में एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यूरोप में उपग्रह प्रक्षेपण कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए रॉकेट को नॉर्वे के आर्कटिक एंडोया अंतरिक्ष बंदरगाह से प्रक्षेपित किया गया। इस रॉकेट का वजन एक मीट्रिक टन था, जिसे छोटे और मध्यम आकार में डिजाइन किया गया था। रॉकेट उड़ान भरने के मात्र 40 सेकंड के भीतर ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया और जमीन पर गिरते ही विस्फोट के साथ उसमें आग लग गई। इसार एयरोस्पेस कंपनी को मिला डेटा मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यूरोप से एक अंतरिक्ष रॉकेट को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित करने का प्रयास किया गया। स्वीडन और ब्रिटेन सहित कई देशों ने इस मिशन में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की थी। रॉकेट के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद भी इसार एयरोस्पेस कंपनी को महत्वपूर्ण डेटा प्राप्त हुआ है, जो भविष्य के मिशनों में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। कंपनी ने पहले ही यह आशा व्यक्त की थी कि रॉकेट दुर्घटनाग्रस्त हो जाएगा। इसार एयरोस्पेस के सह-संस्थापक और सीईओ डैनियल मेट्ज़लर ने रॉकेट लॉन्च से पहले कहा था कि हमारे लिए हर उड़ान बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे अनुभव और डेटा मिलता है। यहां तक ??कि 30 सेकंड की उड़ान भी बहुत बड़ी सफलता होगी। हालांकि, कंपनी को उम्मीद थी कि यह रॉकेट अंतरिक्ष तक नहीं पहुंच पाएगा।

## संक्षिप्त समाचार

### ओपनएआई ने घिबली-स्टाइल तस्वीरों के लिए बदले नियम, अब रियल वर्ल्ड इमेज का नहीं कर पाएंगे इस्तेमाल

**वाशिंगटन, एजेंसी।** इन दिनों सोशल मीडिया पर भर-भर कर घिबली स्टाइल की तस्वीरे देखी जा रही है। ऐसा कह सकते है कि सोशल मीडिया यूजर्स को अब इन तस्वीरों के माध्यम से अपने आप को देखना कुछ ज्यादा ही अच्छा लगने लगा है। इसी बीच ओपनएआई के चैटजीपीटी ने अपनी स्टूडियो घिबली-स्टाइल की तस्वीरों को लेकर अपनी नीति में बदलाव किया है, जिसके बाद अब यूजर्स घिबली-स्टाइल की तस्वीरें बनाने के लिए रियल वर्ल्ड की तस्वीरों का उपयोग नहीं कर सकते। इसका साफ साफ मतलब है कि अब आप ओपनएआई के चैटजीपीटी के माध्यम से कोई भी असल व्यक्ति या तस्वीर को देखकर घिबली-स्टाइल में तस्वीर नहीं बना सकता। जब भी आप अब चैटजीपीटी के माध्यम से तस्वीर बनाने की कोशिश करेंगे तो इसके लिए चैटजीपीटी इमेज जनरेटर ने एक नया संदेश दिखाना शुरू किया है, जिसमें कहा गया है कि अब वह किसी असल व्यक्ति की तस्वीर से घिबली स्टाइल की तस्वीर नहीं बना सकता। बता दें कि यह बदलाव इस कारण हुआ है कि अब उनकी नई दिशा निर्देश के तहत, असल लोगों की समानता बनाना मना किया गया है। हालांकि, वह अब भी घिबली स्टाइल की तस्वीरें बना सकता है, लेकिन इसके लिए यूजर्स को और अधिक क्रीएटीव जानकारी देनी होगी। जैसे कि, उन्हें हेयरस्टाइल, कपड़े, पृष्ठभूमि, मूड या कोई और खास जानकारी देनी होगी, ताकि वह उसी आधार पर घिबली स्टाइल की तस्वीर बना सके। साथ ही इस मामले में ओपनएआई के प्रवक्ता ने एक बयान में बताया कि कंपनी अब कई मामले में सतर्कता अपना रही है, खासकर जब किसी रियल कलाकार के स्टाइल में तस्वीर बनाने की कोशिश की जाती है। हालांकि एक तर्क ये भी है ओपनएआई का यह कदम‚ ढ्ढ टूल्स के माध्यम से कॉपीराइट उल्लंघन से बचने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। इसके अलावा, ओपनएआई ने अपनी इमेज जनरेटर सेवा को मुफ्त यूजर्स के लिए रोलआउट करने में देरी की घोषणा की है, क्योंकि इसे लेकर अधिक मांग आ रही है। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने ट्विटर पर कहा कि इस सेवा की लोकप्रियता उम्मीद से ज्यादा बढ़ गई है, जिससे मुफ्त यूजर्स के लिए इसमें कुछ समय की देरी हो रही है।

### खार्किव पर रूस ने दागे 111 ड्रोन, दो की मौत

**खार्किव, एजेंसी।** यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्किव पर रूसी हमले में दो लोगों की मौत हो गई और 12 से ज्यादा लोग घायल हो गए। हताहतों में वे सदस्य भी शामिल हैं, जिनका इलाज चल रहा था। क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव ने कहा कि मारे गए लोगों में एक 67 वर्षीय पुरुष और एक 70 वर्षीय महिला शामिल हैं। यूक्रेन की वायु सेना ने बताया कि रूस ने शनिवार देर रात से हमला करना शुरू किया था। इस दौरान उसने सैन्य अस्पताल, शॉपिंग सेंटर और अपार्टमेंट ब्लॉक को लक्ष्य बनाकर 111 विस्फोटक ड्रोन दागे। हालांकि यूक्रेन ने इनमें से 65 को मार गिराया था। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रविवार को सोशल मीडिया पर लिखा, पिछले सप्ताह यूक्रेन के अधिकांश क्षेत्र रूस के निशाने पर थे। 1,310 रूसी ड्रोन विस्फोटक और विभिन्न प्रकार की मिसाइलें यूक्रेन पर दागी गईं थीं। मिसाइलों में बैलिस्टिक भी शामिल हैं।

### अमेरिका में टिकटॉक के लिए बहुत खरीदार, समय सीमा से पहले पूरा होगा सौदा, राष्ट्रपति ट्रंप का बयान

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी में जारी टिकटॉक विवाद के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि लघु वीडियो ऐप टिकटॉक को बेचने के लिए चीनी कंपनी बाइटडांस के साथ सौदा तय हो जाएगा और यह तय समय सीमा से पहले होगा। बता दें कि ट्रंप ने जनवरी में टिकटॉक को 5 अप्रैल तक का वक्त दिया था कि वह कोई गैर-चीनी खरीदार ढूंढे, अन्यथा उसे अमेरिकी प्रतिबंध का सामना करना पड़ेगा। यह प्रतिबंध 2024 के कानून के तहत उसी महीने से लागू होगा। टिकटॉक की खरीदारी को लेकर रविवार रात अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि हमारे पास टिकटॉक के लिए बहुत खरीदार है। उन्होंने एयर फोर्स वन पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि टिकटॉक में उनकी बहुत अधिक दिलचस्पी है और मैं इसे अमेरिकी में हमेशा के लिए चालू देखना चाहता हूं। हालांकि ट्रंप के बयान पर टिकटॉक ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। वहीं मामले में मीडिया रिपोर्ट की माने तो शुक्रवार को यह जानकारी मिली कि निजी इक्विटी फर्म ब्लैकस्टोन टिकटॉक के अमेरिकी हिस्से में कुछ निवेश करने पर विचार कर रही है। ब्लैकस्टोन, बाइटडांस के अन्य गैर-चीनी शेयरधारकों, जैसे सस्केहाना इंटरनेशनल ग्रुप और जनरल अटलांटिक के साथ मिलकर टिकटॉक के अमेरिकी व्यवसाय के लिए बोली लगाने की योजना बना रही है। हालांकि इसपर अमेरिका का कहना है कि बाइटडांस के पास टिकटॉक का अधिकार होने के कारण चीनी सरकार को इस ऐप के जरिए अमेरिकी नागरिकों का डेटा इकट्ठा करने और अमेरिका के खिलाफ प्रभाव डालने का मौका मिल सकता है। गौरतलब है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले कहा था कि अगर टिकटॉक पर कोई समझौता नहीं होता है, तो वह अप्रैल की समयसीमा बढ़ाने के लिए तैयार हैं। हालांकि पिछले हफ़्ते उन्होंने यह भी स्वीकार किया था कि चीन इस सौदे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिसमें उसकी स्वीकृति भी शामिल है। इतना ही नहीं ट्रंप ने कहा कि वो टिकटॉक के इस सौदे को पूरा करने के लिए चीन को टैरिफ में थोड़ी छूट भी देने के तैयार हैं।

## मस्क ने दो मतदाताओं को दिए एक मिलियन डॉलर के चेक

**विस्कॉन्सिन, एजेंसी।** अमेरिका के विस्कॉन्सिन में होने वाले सुप्रीम कोर्ट चुनाव में टेक दिग्गज एलन मस्क खूब दखल दे रहे हैं। अपने खेमे न्यायाधीशों को जिताने के लिए मस्क पर आरोप लगे हैं। डेमोक्रेट नेता ने आरोप लगाया कि मस्क ने चुनाव से पहले दो मतदाताओं को एक मिलियन डॉलर के चेक सौंपे। साथ ही उनको अपने राजनीतिक समूह के प्रवक्ता घोषित किया। इसे लेकर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। हालांकि अरबपति ने इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एजेंडे और सभ्यता के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताया। मस्क ने न्यायिक दौड़ को देश के लिए महत्वपूर्ण बताया। मस्क ने कहा कि सदन में बहुमत अब बहुत कम रह गया है। एक अदालत ने राज्य के डेमोक्रेटिक अटॉर्नी जनरल द्वारा मस्क को दो मतदाताओं को चेक सौंपने से रोकने के आखिरी मिनट के प्रयास को सुनने से इनकार कर दिया। दो निचली अदालतों ने डेमोक्रेट जोश कौल की कानूनी चुनौती को पहले ही खारिज कर दिया था। इसमें कहा गया था कि मस्क का प्रस्ताव राज्य के कानून का उल्लंघन करता है। वहीं राज्य के सुप्रीम कोर्ट ने मामले को मूल कार्रवाई के रूप में लेने से इनकार कर दिया। अदालत ने अपने फैसले के लिए कोई तर्क नहीं दिया। मस्क के वकीलों ने भी अदालती दस्तावेजों में तर्क दिया कि भुगतान का उद्देश्य कार्यकर्ता न्यायाधीशों के विरोध में जमीनी स्तर पर आंदोलन उत्पन्न करना है।

# इस्राइल के जहाज को निशाना बनाने की धमकी पर यमन में अमेरिका का हवाई हमला, हूती विद्रोही की मौत

**दुबई, एजेंसी।** इस्राइल के जहाज को निशाना बनाने की धमकी पर यमन में अमेरिका ने हवाई हमला किया है। हूती विद्रोहियों ने कहा कि यमन की राजधानी सना के आसपास रविवार रात से लेकर सोमवार सुबह तक हवाई हमले किए गए। इसमें एक हूती विद्रोही की मौत हो गई। विद्रोहियों ने कहा कि यह अब तक के सबसे तेज हमले थे।

विद्रोहियों ने कहा कि 2014 से हूतियों के कब्जे वाली यमन की राजधानी सना के आसपास हुए हमलों में चार अन्य घायल भी हुए। यहां एक वीडियो फुटेज में बमों के धमाके के बाद घरों में बिखरे कांच प्रसारित किए, लेकिन हमलों के लक्ष्यों को नहीं दिखाया गया।

इससे पहले अमेरिका ने यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर बमबारी की थी। यह बमबारी राजधानी सना और उत्तर पश्चिम में स्थित सादा शहर में की गई। बमबारी के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हूती विद्रोहियों को धमकी दी और कहा कि वे उन्हें पूरी तरह से तबाह कर देंगे। ट्रंप ने साथ ही ईरान को भी चेताया और ईरान पर हूती विद्रोहियों की मदद करने का आरोप लगाया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा था कि हूतियों को इस बमबारी में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। यह धीरे-धीरे बदतर होता जाएगा। यह बराबरी की लड़ाई भी नहीं है और ना कभी होगी। उन्हें पूरी तरह से तबाह कर देंगे। ट्रंप ने हूतियों को हथियार देने के लिए ईरान को चेतावनी भी दी और दावा किया कि



ईरान ने हूतियों को सैन्य आपूर्ति कम कर दी है, लेकिन उसे इस पूरी तरह से बंद कर देना चाहिए।

अब तक 59 लोग मारे गए हूतियों का कहना है कि अब तक हुए हवाई हमलों में 59 लोग मारे गए हैं। पिछले दिनों जब हूतियों ने गाजा पट्टी में सहायता सामग्री को रोकने के लिए इस्राइली जहाजों को निशाना बनाने की धमकी दी तो अमेरिका ने हमले शुरू किए। ईरान पर हूतियों के समर्थन के लगते हैं आरोप ईरान पर लंबे समय से हूतियों की मदद करने के आरोप लग रहे हैं।

हूति यमन के अल्पसंख्यक शिया जैदी समुदाय के लोग हैं। इस वर्ग ने साल 1962 तक करीब हजार साल तक यमन पर राज किया। हालांकि ईरान इन आरोपों को बेबुनियाद बताकर खारिज करता रहा है। इस्राइल और हमास की लड़ाई के बाद हूतियों पर लाल सागर के इलाके में व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाने के आरोप लगे। इस दौरान हूतियों ने करीब 100 व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाया और दो जहाजों को डुबो दिया और चार नाविकों की हत्या की।

# बांग्लादेश में स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास को मिटाना जारी, मुक्ति युद्ध के भित्तिचित्र को किया गया ध्वस्त

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश के लालमोनिरहाट जिले में मुक्ति संग्राम स्मारक मंच के भित्ति चित्र को स्थानीय अधिकारियों के निर्देश पर ध्वस्त कर दिया गया। कुछ दिनों पहले देश के स्वतंत्रता दिवस पर इसे कपड़े से ढंक दिया गया था। रविवार सुबह से शाम तक मजदूरों ने भित्ति चित्र को ध्वस्त किया। स्थानीय मीडिया से बात करते हुए मजदूरों ने बताया कि वे लालमोनिरहाट के डिप्टी कमिश्नर के निर्देश पर भित्ति चित्र को ध्वस्त कर रहे थे।

भित्तिचित्र में 1950 के दशक के भाषा आंदोलन की पृष्ठभूमि, 7 मार्च का ऐतिहासिक भाषण, स्वतंत्रता संग्राम, मुजीबनगर सरकार का गठन, स्वतंत्र भूमि पर नए सूर्य का उदय, पाकिस्तान द्वारा 1971 का नरसंहार, विजय की खुशी में झूमते वीर स्वतंत्रता सेनानी, सात महान नायक, पाकिस्तानी सेना का आत्मसमर्पण, राष्ट्रीय ध्वज थामे उत्साही भीड़ और कई अन्य ऐतिहासिक क्षणों को दर्शाया गया था।

प्रमुख बांग्लादेशी दैनिक द ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल बांग्लादेश (टीआईबी) ने कहा



कि संगठन निश्चित रूप से इस कदम का विरोध करेगा। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के बांग्लादेश क्षेत्र समन्वयक मोहम्मद मोर्शेद आलम ने कहा, हमने पहले भी मुक्ति संग्राम के भित्ति चित्र को ढंकने का विरोध किया था...हम आगे भी इसका विरोध करेंगे। बता दें हाल ही में, बांग्लादेश के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इस भित्ति चित्र को कपड़े से ढक दिया गया था। इसकी देशभर में लोगों ने कड़ी आलोचना की थी और इसे बंगाली राष्ट्र के इतिहास में बेशर्म हस्तक्षेप करार दिया था। स्थानीय मीडिया ने जिला प्रशासन के अधिकारियों के हवाले से कहा कि उन्होंने छात्र संगठन स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन (एसएडी) की मांग के जवाब में भित्ति चित्र को ढक दिया था। एसएडी ने अन्य छात्र संगठनों के साथ मिलकर जुलाई में हिंसक विद्रोह का नेतृत्व किया था जिसकी वजह से पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता छोड़ देश से भागना पड़ा था। लालमोनिरहाट जागरूक नागरिक समिति (सोनक) ने मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के इस कदम की कड़ी निंदा की और इसका विरोध किया।

## यूक्रेन कभी नाटो का सदस्य नहीं बनने वाला, समझौते पर बातचीत की पेशकश के बीच डोनाल्ड ट्रंप की दो टूक

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर खनिज समझौते और नाटो सदस्यता को लेकर यूक्रेन के इरादे जाहिर किए। उन्होंने कहा कि अगर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की समझौते से पीछे हटने की कोशिश करते हैं तो उनको बड़ी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन कभी नाटो का सदस्य बनने वाला नहीं है। यूक्रेन के समझौते पर बातचीत फिर से शुरू करने के पीछे नाटो सदस्यता पाने की मंशा को ट्रंप ने खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की एक सौदा करना चाहते हैं। लेकिन मैं देख रहा हूं कि वह खनिज समझौते से पीछे हटने की कोशिश कर रहे हैं। अगर वह ऐसा करते हैं तो कुछ बड़ी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। हमने दुर्लभ खनिज समझौता किया है। जेलेंस्की ने फिर से बातचीत की पेशकश की है। वह नाटो का सदस्य बनना चाहते है। वैसे वह कभी भी नाटो का सदस्य नहीं बनने वाले। वह इसे समझते हैं।

वहीं पुतिन के साथ संबंधों को लेकर ट्रंप ने कहा कि हम हमेशा से अच्छे से साथ हैं। मुझे नहीं लगता कि वे अपनी बात से पीछे हटने वाले हैं। मैं उनको लंबे समय से जानता हूं। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन को चेतावनी दी कि अगर यूक्रेन के साथ युद्धविराम समझौता नहीं हुआ तो वह रूस पर द्वितीयक प्रतिबंध लगाएंगे। सभी प्रकार के तेल पर 25 से 50 फीसदी



टैरिफ लगाया जाएगा। उन्होंने कहा, जो भी रूस से तेल खरीदेगा, वह अमेरिका में केवल तेल ही नहीं, बल्कि अपना कोई भी उत्पाद नहीं बेच सकेगा। हालांकि, उन्होंने इस बात को दोहराया कि उनके और पुतिन के संबंध बहुत अच्छे हैं।

18 मार्च को ट्रंप और पुतिन ने की थी बातचीत ट्रंप और पुतिन ने 18 मार्च को फोन पर बात की थी। अपने चुनाव अभियान के दौरान, ट्रंप ने यूक्रेन में युद्ध को हल करने की कसम खाई थी, इसे अपनी पहली विदेश नीति प्राथमिकता बताया था। वहीं पिछले हफ्ते रूस और यूक्रेन युद्धविराम पर सहमत हुए थे, जिससे काला सागर में सुरक्षित मार्ग उपलब्ध हो सकेगा और एक दूसरे के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमलों को रोका जा सकेगा।

# अर्थव्यवस्था को समर्थन देने के लिए 6.8 अरब डॉलर के अतिरिक्त बजट का प्रस्ताव

**सोल, एजेंसी।** दक्षिण कोरिया की सरकार ने रविवार को राजनीतिक अनिश्चितताओं और विनाशकारी जंगल की आग से प्रभावित अर्थव्यवस्था को समर्थन देने के लिए कम से कम 10 ट्रिलियन वॉन (6.8 अरब अमेरिकी डॉलर) के अनुपूरक बजट का प्रस्ताव किया है। वित्त मंत्री चोई सांग-मोक ने आर्थिक मंत्रियों की आपातकालीन बैठक में कहा कि सरकार लगभग 10 ट्रिलियन वॉन के अतिरिक्त बजट के लिए दबाव बनाने की योजना बना रही है, जिसे उन्होंने सबसे जरूरी लंबित मुद्दों को हल करने में मदद करने के लिए आवश्यक बताया। अर्थव्यवस्था और वित्त मंत्रालय के अनुसार, पूरक बजट आपदाओं और दुर्घटनाओं का जवाब देने, व्यापार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) क्षमताओं को मजबूत करने और लोगों की आजीविका के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए खर्च किया जाएगा। देश में अब तक की सबसे विनाशकारी जंगल की आग पर लगभग काबू पा लिया गया है, लेकिन इसने लगभग 48,000 हेक्टेयर भूमि को जला दिया है, जो 2,600 से अधिक फुटबॉल मैदानों के बराबर है। देश के दक्षिण-पूर्वी क्षेत्रों में जंगल की आग से कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई है। अर्थव्यवस्था के लिए उप प्रधानमंत्री के रूप में कार्यरत चोई ने कहा, जंगल की आग के बाद की रिकवरी के प्रयासों के अलावा, सरकार को डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के बड़े टैरिफ से उत्पन्न अनिश्चितताओं



से निपटने और तेजी से बदलते एआई उद्योग में नेतृत्व के लिए प्रतिस्पर्धा करने के लिए धन लगाने की आवश्यकता है। गत 3 दिसंबर को राष्ट्रपति यूं सुक योल द्वारा अल्पकालीन मार्शल लॉ लागू किए जाने के बाद अर्थव्यवस्था के लिए राजनीतिक अनिश्चितताएं एक बड़ी अनिश्चितता बनी हुई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, मंत्री ने कहा कि यदि सत्तारूढ़ और विपक्षी दल योजना के लिए द्विदलीय समर्थन प्रदान करते हैं, तो सरकार एक विस्तृत अनुपूरक बजट योजना तैयार करेगी और अगले महीने के अंत से पहले इसे नेशनल असेंबली में प्रस्तुत करेगी। चोई ने कहा, जंगल की आग से होने वाले नुकसान से निपटने, बाहरी चुनौतियों का जवाब देने और लोगों की आजीविका को स्थिर करने के प्रयासों की तात्कालिकता को देखते हुए, (दोनों दलों के लिए) अप्रैल के भीतर अनुपूरक बजट पारित करना बहुत महत्वपूर्ण है।

**शंघाई में राकेश चौरसिया के संगीत कार्यक्रम में उमड़ी भीड़ 800 से अधिक लोग शामिल ॥ शंघाई , एजेंसी।** शंघाई में भारतीय शास्त्रीय संगीत के उस्ताद पूरबायन चटर्जी और राकेश चौरसिया के लाइव संगीत समारोह में 800 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। भारतीय वाणिज्य दूतावास और चैती आर्ट्स फाउंडेशन की ओर से शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में चौरसिया ने रागों और मधुर धुनों से मंत्रमुग्ध कर दिया। वाणिज्य दूतावास ने बताया कि यह आयोजन दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने का एक प्रयास था। इस अवसर पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने कहा कि कार्यक्रम में उमड़ी भीड़ भारत और चीन के बीच ऐतिहासिक संबंधों व प्राचीन बंधनों को दर्शाती है।


स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशक: सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

### नवसारी में रत्नकलाकार हड़ताल पर

# हीरा पॉलिशिंग में माथे के हिस्से की मजदूरी 8 से घटाकर 6.6 करने पर असंतोष।

## सहजानंद एक्सपोर्ट के 700 से अधिक कारीगरों का हंगामा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी के शांतादेवी क्षेत्र में स्थित सहजानंद एक्सपोर्ट हीरा फैक्ट्री में काम करने वाले रत्नकलाकारों ने मूल्य में कमी को लेकर हड़ताल शुरू कर दी है। फैक्ट्री में 700 से 800 रत्नकलाकार इस हड़ताल में शामिल हुए हैं, जिसके कारण फैक्ट्री के कामकाज पर असर पड़ा है।

हीरा पॉलिशिंग के माथे के मूल्य पहले 8 थे, जो अब घटकर 6.6 हो गए हैं। इसी तरह, तलिये के पुराने मूल्य 10 से घटकर 8.70 हो गए हैं। रत्नकलाकारों ने इस कटौती को लेकर नाराजगी जताई है। फैक्ट्री के संचालकों ने दो महीने के भीतर मूल्य बढ़ाने का वादा किया था, लेकिन पुराने मूल्य को रखा गया है, जिससे रत्नकलाकारों में असंतोष बढ़ा है।

सहजानंद एक्सपोर्ट के संचालक शांतिलाल ने बताया, ''रफ हीरे के भाव में उतार-चढ़ाव और पॉलिश किए हुए हीरे के नरम बाजार के कारण वर्तमान भाव तय किए गए हैं। अगर बाजार में तेजी आती है, तो कीमत बढ़ाने की गारंटी है।''

हड़ताल में शामिल रत्नकलाकार केयूर चावड़ा ने बताया, ''बढ़ती महंगाई में वर्तमान भाव से घर चलाना मुश्किल हो रहा है। अगर कीमतों में बढ़ोतरी नहीं होती है, तो आने वाले समय में उग्र आंदोलन किया जाएगा।''

इस हड़ताल के कारण फैक्ट्री के उत्पादन पर असर पड़ा है और रत्नकलाकारों के आंदोलन को लेकर उद्योग में चिंता का माहौल है। रत्नकलाकारों ने सरकार और फैक्ट्री संचालकों से इस मुद्दे का तात्कालिक समाधान लाने की अपील की है।

## 15 वर्षीय लड़की का पीछा करने वाले मोहम्मद साबिर नफीस कुरैशी की गिरफ्तारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के डिंडोली इलाके में 15 वर्षीय नाबालिग लड़की का पीछा कर छेड़छाड़ करने वाले मोहम्मद साबिर नफीस कुरैशी को डिंडोली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पिछले कुछ समय से छात्रा का स्कूल जाते समय पीछा कर जबरन उससे बात करने का दबाव बना रहा था। लड़की द्वारा विरोध करने के बावजूद वह लगातार उसे परेशान कर रहा था। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

आरोपी पहले भी नाबालिग लड़की का पीछा कर उसे परेशान करता था। जब लड़की के माता-पिता ने उसके परिवार को इस बारे में बताया, तो मकान मालिक ने साबिर के परिवार को मकान खाली करने के लिए मजबूर कर दिया। बावजूद इसके, उसने अपनी हरकतें नहीं छोड़ीं। फिलहाल, वह नवागाम-डिंडोली के हरिहर नगर में रह रहा था और दोबारा नाबालिग को परेशान करना शुरू कर दिया था।

साबिर पिछले तीन-चार दिनों से स्कूल जाती नाबालिग का पीछा कर जबरदस्ती बात करने का दबाव बना रहा था। इतना ही नहीं, वह गैरकानूनी रूप से सोसाइटी में भी घूमता रहता था, जिससे परेशान होकर नाबालिग की मां ने डिंडोली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई।

शिकायत मिलने के बाद डिंडोली पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मोहम्मद साबिर नफीस कुरैशी को गिरफ्तार कर लिया और कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी। इस मामले की आगे की जांच पीएसआई एस.एच. मिस्त्री कर रहे हैं।

## पति के साथ खाने के दौरान झगड़ा होने पर, उसे डराने के लिए पत्नी हाइट टावर पर चढ़ गई।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी की एक विवाहिता, जिसकी शादी अहमदाबाद में हुई थी, किसी कारणवश पिछले चार महीनों से मायके में रह रही थी। चार महीने बाद जब उसका पति उसे लेने आया, तो खाने के दौरान किसी मामूली बात पर दोनों के बीच झगड़ा हो गया। इस झगड़े के चलते पति को डराने के लिए पत्नी गांव में स्थित हाइटेंशन टावर पर लगभग तीन मंजिल की ऊंचाई तक चढ़ गई।

आधे घंटे बाद पुलिस को सूचना मिलने पर मरौली पीआई अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और विवाहिता को समझाकर टावर से नीचे उतारा। दो घंटे तक ग्रामीणों की सांसें अटकी रहीं।

जलगापुर तालुका के एक गांव में रहने वाली इस महिला की शादी अहमदाबाद के जयेंद्रभाई से हुई थी। 14 साल की शादीशुदा जिंदगी में दंपति के दो बच्चे भी हुए। कुछ कारणों से चार महीने पहले विवाहिता मायके चली आई थी।

शनिवार को जब उसका पति उसे वापस ले जाने के लिए अहमदाबाद से आया, तो खाने के दौरान दोनों के बीच मामूली बहस हो गई। झगड़े के बाद पति को डराने के लिए विवाहिता गांव में स्थित हाइटेंशन टावर पर चढ़ गई। उसका पति भी उसे रोकने के लिए पीछे-पीछे गया, लेकिन तब तक वह तीन मंजिल की ऊंचाई तक पहुंच चुकी थी।

गांव के अन्य लोग और सरपंच भी मौके पर पहुंचे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। मरौली पुलिस वहां पहुंची और आधे घंटे तक समझाने के बाद आखिरकार विवाहिता को नीचे उतारा। हालांकि, पुलिस का मानना है कि विवाहिता नशे की हालत में थी,

नवसारी जिले के मरौली के मिरजापुर गांव में चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां शराब के नशे में एक महिला ने पावरग्रिड की हाइटेंशन लाइन के टावर पर चढ़कर हंगामा किया। मरौली पुलिस की सतर्कता और समझाइश के बाद उसे सुरक्षित नीचे उतारा गया। इसके बाद पुलिस ने दंपति और उन्हें शराब उपलब्ध कराने वाली महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया।

नवसारी पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि मरौली के मिरजापुर गांव में पावरग्रिड की हाइटेंशन लाइन के टावर पर एक दंपति चढ़कर हंगामा कर रहा है। मरौली पुलिस के कांस्टेबल धर्मेंद्रसिंह और अन्य स्टाफ तुरंत मौके पर पहुंचे। वहां महिला का नाम लक्ष्मीबेन पटेल और पुरुष का नाम जयेंद्र पटेल बताया गया।

टावर पर चढ़े दंपति के मुंह से तेज शराब की गंध आ रही थी, और वे नशे की हालत में अपना संतुलन बनाए रखने में असमर्थ थे। दंपति की पहचान लक्ष्मीबेन पटेल (उम्र 32) और जयेंद्र पटेल (उम्र 35) के रूप में हुई।

पुलिस ने दंपति को समझाकर टावर से सुरक्षित नीचे उतारा। पूछताछ के दौरान पता चला कि मिरजापुर गांव की जयाबेन राजूभाई राठौड़ ने उन्हें शराब उपलब्ध करवाई थी। चूंकि दंपति के पास शराब पीने के लिए कोई वैध पास या परमिट नहीं था, पुलिस ने प्रोहिबिशन एक्ट की धारा 66(1)बी और 85(1),(3) के तहत मामला दर्ज किया है।

दंपति को मेडिकल जांच के लिए CHC भेजा गया।

साथ ही, पंचों की मौजूदगी में दंपति की नशे की हालत का पंचनामा तैयार किया गया।

### मरौली पीआई डी.जे. पटेल का बयान

''हमें सूचना मिलते ही हम स्टाफ के साथ गांव पहुंचे। महिला बहुत ऊंचाई पर चढ़ चुकी थी। उसका पति उसे समझाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन वह मानने को तैयार नहीं थी। हमने उसे आधे घंटे तक समझाया, सायरन बजाया और यह भरोसा दिलाया कि उसे कुछ नहीं होगा। दो घंटे बाद आखिरकार उसने नीचे उतरने का फैसला किया।''

# डीसा शहर में पटाखा गोदाम में भयंकर आग की घटना के बाद सूरत पुलिस तुरंत एक्शन में आई,अधिकारियों ने सुरक्षा ऑडिट के आदेश दिए

## पटाखा गोदामों के लिए सुरक्षा ऑडिट के आदेश,सूरत शहर में कुल 44 लाइसेंस प्राप्त दुकानें

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में पटाखों की दुकानों और गोदामों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों ने सुरक्षा ऑडिट के आदेश दिए हैं। शहर में कुल 44 पटाखा दुकानों को लाइसेंस प्राप्त है। प्रशासन यह सुनिश्चित करना चाहता है कि सभी दुकानें और गोदाम सुरक्षा मानकों का पालन करें ताकि किसी भी दुर्घटना से बचा जा सके। शहर में ऐसे किसी भी अनहोनी को रोकने के लिए, सूरत स्पेशल DCP हेतल पटेल ने सभी पुलिस थानों को पटाखा गोदामों और दुकानों की सुरक्षा ऑडिट करने के सख्त निर्देश दिए हैं। शहर में स्थित सभी पटाखा गोदामों और दुकानों की तत्काल जांच की जाएगी। गोदामों और स्टोरेज यूनिट्स में फायर सेफ्टी और अन्य सुरक्षा उपाय सही हैं या नहीं, इसकी गहन जांच की जाएगी। यदि किसी भी गोदाम में लापरवाही, अनियमितता या सुरक्षा उल्लंघन पाया जाता है, तो उसके खिलाफ तुरंत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सूरत शहर में कुल 44 लाइसेंस प्राप्त पटाखा दुकानें हैं, जिनकी भी जांच की जाएगी। दीपावली और अन्य अवसरों पर पटाखों का व्यापार किया जाता है,

### भूल से एसिड पी लिया या आत्महत्या की

## SMC संचालित अस्पताल के फॉरेंसिक विभाग में तैनात डॉक्टर राजेश पटेल ने एसिड मामला. फॉरेंसिक पोस्टमॉर्टम जाँच

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम संचालित अस्पताल के फॉरेंसिक विभाग में तैनात डॉक्टर राजेश पटेल ने एसिड गटक लिया था, जिसके बाद उन्हें तत्काल इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहाँ उन्हें आईसीयू में रखा गया। 15 दिन की इलाज के बाद उनकी मौत हो गई। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल भेजा गया, जहाँ फॉरेंसिक पोस्टमॉर्टम किया गया। हालांकि, यह सवाल उठ रहा है कि डॉक्टर ने गलती से एसिड पी लिया या आत्महत्या की।

अलथाण कैनाल रोड पर स्थित कोरल हाइट्स में रहने वाले डॉक्टर राजेश नारायणभाई पटेल, जो सूरत नगर निगम संचालित स्मीमेर अस्पताल के फॉरेंसिक विभाग में ड्यूटी पर थे, ने 16 मार्च की रात को किसी कारणवश एसिड गटक लिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद उनकी पत्नी ने तुरंत नजदीकी दोस्त डॉक्टर को फोन कर घर बुलाया। इसके बाद उन्हें तत्काल खटोदरा क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल में उपचार के लिए ले जाया गया। राजेश पटेल आईसीयू में उपचाराधीन थे। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस का स्टाफ भी निजी अस्पताल पहुँच गया था। जहाँ पुलिस ने राजेश पटेल और उनकी पत्नी का बयान लिया। उन्होंने बताया कि घर में रसोई की सफाई की जा रही थी और पत्नी ने एसिड भरी बोतल रसोई में पानी की बोतल के पास रखी थी। 16 मार्च की रात को एक बजे के आसपास डॉक्टर राजेश पटेल पानी पीने के लिए गए थे और गलती से पानी की जगह उन्होंने एसिड गटक लिया।

डॉक्टर राजेश पटेल को पिछले 15 दिनों से निजी अस्पताल के आईसीयू में उपचार दिया जा रहा था। इस दौरान आज सुबह उनकी इलाज के दौरान मृत्यु हो गई, जिससे परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। इसके साथ ही डॉक्टरों में भी शोक का माहौल था। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि डॉक्टर राजेश पटेल ने गलती से एसिड पी लिया था या उन्होंने आत्महत्या की थी। फिलहाल, सिविल अस्पताल में फॉरेंसिक पोस्टमॉर्टम किया गया है, और रिपोर्ट आने के बाद सही कारण सामने आने की संभावना है।

## प्रबंधक के खिलाफ एक और धोखाधड़ी की शिकायत।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वडोदरा के पादरा चोक्सी बाजार स्थित SBI शाखा के तत्कालीन प्रबंधक के खिलाफ बिना किसी प्रकार की जांच के 7.50 लाख की मुद्रा लोन देने की एक और शिकायत पादरा पुलिस थाने में दर्ज की गई है। एक के बाद एक दर्ज हो रही शिकायतों को देखते हुए, इस मुद्रा लोन घोटाले के बड़े पैमाने पर होने की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है।

पादरा पुलिस थाने में SBI शाखा के प्रबंधक दिलीपकुमार बाबरभाई बामणीय द्वारा दर्ज की गई शिकायत के अनुसार, विवरण इस प्रकार है कि प्रधानमंत्री मुद्रा लोन के तहत छोटे उद्योगों को 10 लाख तक का लोन दिया जाता है। 2022 में, मेसर्स विश्वकर्मा फर्निचर के प्रोपाइटर हरिश्चंद्र रामेश्वर सुथार ने बैंक में कैश क्रेडिट लोन और टर्म लोन के लिए आवेदन किया था। उस समय के बैंक प्रबंधक सुनीलकुमार सिन्हा ने फर्निचर के व्यवसाय के लिए 7.50 लाख का मुद्रा लोन मंजूर किया था।

इस प्रकार, हरिश्चंद्र सुथार ने 7.50 लाख का लोन प्राप्त किया, जिसे उसने चुकता नहीं किया। इस बीच, बैंक प्रबंधक सुनील कुमार रिटायर हो गए थे। उनसे पहले, हरिश्चंद्र सुथार की जांच करते समय व्यवसायिक स्थल पर स्टॉक स्टेटमेंट के अनुसार सामान और गिरवी रखी संपत्ति का मिलान नहीं हुआ।

आरोपी ने इस बारे में जवाब दिया कि उनका खाता मार्च 2021 में NPA हो गया था और इस संबंध में नोटिस भी जारी की गई थीं। जुलाई 2022 में, बैंक के आंतरिक ऑडिट में लोन को संदिग्ध धोखाधड़ी की श्रेणी में रखा गया था। लोन के बारे में और जांच करते समय यह पाया गया कि तत्कालीन बैंक प्रबंधक सुनील कुमार सिन्हा ने लोन देने से पहले प्री-इंस्पेक्शन और बाद में पोस्ट-इंस्पेक्शन नहीं किया था, साथ ही कस्टमर से स्टॉक स्टेटमेंट भी नहीं लिया था और आवश्यक दस्तावेजों की जांच भी नहीं की थी।

इस संबंध में बैंक के लीगल एडवाइजर द्वारा पादरा कोर्ट में क्रिमिनल इंवेस्टिगेशन दायर की गई थी। इस जांच के चलते कोर्ट ने मामला दर्ज करने का आदेश दिया था।

इस आदेश के आधार पर, पादरा पुलिस थाने में विश्वकर्मा फर्निचर के प्रोपाइटर हरिश्चंद्र रामेश्वर सुथार (रह. 302, सहज सानिध्य, वेमाली रोड, वडोदरा), और तत्कालीन प्रबंधक सुनील कुमार सिन्हा (रह. बी-1, तपोवन अक्षरधाम, जल्पागुरी, ज्योति नगर) के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू की है।

# पूजा विधान की हुई शुरुआत, प्राण प्रतिष्ठा तीन को

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,श्री जीण माता सेवा ट्रस्ट द्वारा न्यूसिटी लाइट स्थित देवसर माता प्रांगण में माँ जीण मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा तीन अप्रेल को की जाएगी। इसके लिए मंगलवार को पूजा विधान की शुरुआत हुई। सुबह सात बजे से यजमान परिवारों द्वारा पूजा विधान करके माँ जीण का आह्वान किया गया। इसके पश्चात दोपहर में आरती की गई। सभी यजमान परिवार के लिए ट्रस्ट द्वारा महाप्रसाद की व्यवस्था भी की गई थी। आयोजन में बुधवार को प्रतिमा का नगर भ्रमण किया जाएगा।